INTERNSHIP PROJECT

Medical Store REPORT

For partial fulfillment of degree of B.Com.

(2022-2023)

NAME OF STUDENT= Priyanka Panchal

CLASS= B. Com. 1st Year

ROLL NO.= 2234101 11

NAME OF CENTER= Medical Store

NAME OF SUPERVISOR

(Department of Commerce)

(Govt. College Nagda)

Affiliated to

(VIKRAM UNIVERSITY)

प्रारूप – **G1**

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)

ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र./..10../अका./............/2023 नागदा, दिनांक 13/2/23

प्रति,

Dr. R.S. Chaudhary

Nagda

विषयः– आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था/प्रशिक्षक/व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्न – प्रारूप – **G2**

प्राचार्य के हस्ताक्षर.........................

सील...

महाविद्यालय नागदा 456335

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ..... शर्मा मेडिकल स्टोर .....

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ..... निजी .....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ..... महिदपुर रोड .....

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ..... 03 .....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है ..... 10 .....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना ..... 05 .....

7. अन्य विशेष जानकारी .....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ..... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/~~अधिकृत~~ व्यक्ति का नाम

27-05-2023

प्रारूप – G3

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)

ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र. / 10 / अका. / .... / 2023 नागदा, दिनांक 13/2/23

प्रति,

Dr. R.S. Chaudhary

Nagda

विषयः– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण सबध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, सलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद

संलग्न –

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर............ प्राचार्य

शासकीय महाविद्यालय

सील............ नागदा 456335

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : प्रियंका पाँचाल

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कला विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय जावद

कक्षा: B.Com. (Plain) 1st year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A+	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A+	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A+	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक : 20/05/23

स्थान : मंदसौर रोड़

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील)

Reg. 353505

Date__/__/__
Page__

परियोजना कार्य का शीर्षक

हिमोग्लोबिन

स्नातक :— बी. कॉम. प्रथम वर्ष

विद्यार्थी का नाम :— प्रियंका पाँचाल

सत्र :— 2023 - 24

पर्यवेक्षक का नाम :— प्रो. डॉ. चाँदनी

संस्था का नाम
(जहां कार्य पूर्ण किया गया)

पोस्ट तहसील जिला (म.प्र.)
बनबना नागदा उज्जैन (M.P.

कार्यकर्ता के हस्ताक्षर

Reg 353505

Date___/___/_____
Page_______

आभार - पत्र

महाविद्यालय प्राचार्य :- महाविद्यालय के प्राचार्य का अनुमार्ह प्रदान करने हेतु बहुत - बहुत धन्यवाद

शिक्षक निर्देशक

कक्षाध्यापक द्वारा मार्गदर्शक व सहायता करने हेतु धन्यवाद

संबधित विषयक के अन्य प्रध्यापकमय एवं अन्य यह होगी

अन्य प्राध्यापकरण एवं सहयोगी का व संस्थान का धन्यवाद

बाह्य संस्था है प्रमुख एवं अन्य सहयोग प्राप्त किया है

संस्था द्वारा दी गई जानकारी व समूह के सभी सदस्य का सहायता के लिए धन्यवाद

सहपाठी परिजन एवं अन्य जिनसे सहयोग प्राप्त किया है!

मेरे मित्र जिन्होने मेरा इसमे सहयोग प्रदान किया उनको मे अपना आभार व्यक्त करती हूं।

विद्यार्थी का नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर
प्रियंका पांचाल	बी. कॉम (प्रथम वर्ष)		[signature]

दिनांक :- 20/05/2023

स्थान :- महिदपुर रोड

Date __/__/____
Page _____

घोषणा पत्र

मैं घोषणा करती हूँ कि यह शिक्षक रिपोर्ट मेरे द्वारा किये गये मूल कार्य पर आधारित है जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृत उपरान्त किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री पाठ्यक्रम हेतु पूर्व / वर्तमान में प्रस्तुत नहीं किया गया

विद्यार्थी का नाम	कद	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर दिनांक
प्रियंका पाँचाल	—	2234107II	Priyanka 20/05/23

Date __/__/____
Page ______

पर्यवेक्षक निर्देशक

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में किये गये सामुदायिक जुड़ाव की वास्तविक रिपोर्ट है।

यह स्वामी विवेकानन्द महाविद्यालय में मेरे अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत की गयी है।

हस्ताक्षर

Dr. Chandani Jaiswal

दिनांक
20/05/2023

कार्यालय द्वारा कार्यालय द्वारा कार्यपूर्वता प्रमाण - पत्र

कार्यपुर्णता प्रमाण - पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि कक्षा B. Com. 1st year स्वामी विवेकानन्द शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा द्वारा परियोजना कार्य शिक्षुता में दिनांक 10/02/23 तक इस संस्था में उपस्थित रहकर केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

प्रियंका पांचाल अति परिश्रमी, समर्पित और परिणामोन्मुखी है. इन्होंने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया।

हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

स्थान - महिदपुर रोड़
दिनांक - 20/05/23

संस्था की सील

Sharma Medical Store
Mahidpur Road
Mob.No.9165462979

हीमोग्लोबिन

रुधिर वर्णिका या हीमोग्लोबिन प्रजन्पंरिदों की लाल रक्त कोशिकाओं और कुछ अप्रवंशियों के ऊतकों में पाया जाने वाला बेहन्युक्त आक्सीजन का परिवहन करने वाला धातुप्रोटीन है। रक्त में मौजुद हीमोग्लोबिन के फड़ी या गिलों से शरीर के शेष भाग (अर्थात ऊतक) को ऑक्सीजन का परिवर्तन करता है जहाँ वह कोशिकाओं के प्रयोग के लिये ऑक्सीजन को मुफ्त कर देता है।

स्तनधायियों मे लाल रक्त कोशिकाओं को शुल्क भाग का करीब 97% और कुल भाग (पानी सहित) का भाग 35% प्रोटीन से बना होता है। हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन का बांधने की क्षमता को सतर गुना बढ़ा देती है।

हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं और उनको उत्पन्न करने वाली ~~प्रोजी~~ प्रोजनिटर रेखाओं के बाहर भी पाई जाती है हीमोग्लोबिन मुफ्त अन्य कोशिकाओं में सुबस्टैंशिया नाइग्रा के एक डोपमिनाजिक न्युरान मेफोफैम अप्रियोलार कोशिका और मुर्दों की मेसोजियूल कोशिकाए शामिल है इन ऊतकों में हीमोग्लोबीन कोशिकाएं शामिल है इन ऊतकों को हीमोग्लोबिन की भूमिका आक्सीजन के परिवहन की जगह एंटीआक्सीडेंट और लौह चयापचय के नियंत्रण के रूप मे होती है।

Date __/__/____
Page 2

हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने वाले एक मेटल प्रोटीन है जो फेफड़ों और गलफड़ों से शरीर के भीतर ऑक्सीजन युक्त रक्त के जाने का काम करता है साथ ही शरीर की सभी क्रियाओं को सुचारू रूप से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयरन का लगभग 70% हीमोग्लोबिन में पाया जाता है जो की श्वसन मेटाबोलिज्म दुरुस्त रखने के और इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

हीमोग्लोबिन क्यों शरीर के लिए आवश्यक है

हीमोग्लोबिन की गणना की कुल मात्रा में ग्राम प्रति डेसीलीटर (एक लीटर का दसवा भाग) में मापा जाता है। इसका सामान्य स्तर आयु और लिंग के आधार पर भिन्न होता है। नवजात शिशु में सामान्यत स्तर 17.22 ग्राम डीएल है जबकि बच्चों में यह 11.13 ग्राम डीएल है वयस्क पुरुष में सामान्यतः हीमोग्लोबिन का स्तर 14.18 ग्राम डीएल होता है और वयस्क महिलाओं में यह स्तर 12.16 ग्राम डीएल होता है।

शोध का इतिहास :- ऑक्सीजन वाहक प्रोटीन हीमोग्लोबिन की खोज

हुनफीड द्वारा 340 में कि गई थी। 1351 में ओटो फेंक ने लेखा की एक श्रृंखला का प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने ओल से घोलक का धीमा वाष्पीकरण करके हीमोग्लोबिन के स्फटिकों को उगाने के बारे में बताया हीमोग्लोबिन के प्रतिवर्ती आक्सीकरण के बारे में फेलिक्स हापलीलर द्वारा कुछ और वर्षों के बाद बताया गया 1959 में मेक्स पेरुत्ज ने एक्सरे क्रिस्टेलाग्राफी द्वारा हीमोग्लोबिन की इस आविक रचना को निश्चित किया उस उपलब्धि के लिये उन्हें जोन केन्डु के साथ 1962 का रसायनशास्त्र में नोबल पुरस्कार दिया गया रक्त में हीमोग्लोबिन की भूमिका का विवरण फ्रिडिकलर बिटर फलाउ बनार्ड द्वारा दिया गया हीमोग्लोबिन नाम हीम और ग्लोबिन शब्दों की संधि से प्राप्त किया है जो यह बताता है कि हीमोग्लोबिन की प्रत्येक उपइकाई हीम (होम) समूह से जुड़ा एक ग्लोबुलार प्रोटीन है हर हीम समूह में एक लोह परमाणु होता है हीम जो आयरन-उत्प्रेरित बंधों के जरिये एक ऑक्सीजन अणु को बांध सकता है स्तनपायिकों के सबसे आम हीमोग्लोबिन में ऐसी चार उपइकाइयां होती है।

आनुवांशिकी :- हीमोग्लोबिन में अधिकतर प्रोटीन

Date __/__/____
Page 5

किसी एक जाति में भी हीमोग्लोबिन के विभिन्न प्रकार हमेशा मौजूद होते हैं हालांकि हर जाति में कोई एक शृंखला सामान्यतः सबसे अधिक पायी जाती है हीमोग्लोबिन प्रोटीन की जीनों की विकृतियों के कारण हीमोग्लोबिन के विभिनतायुक्त प्रकार उत्पन्न होते हैं इनमें से अनेक विकृत प्रकारों के कारण कोई रोग नहीं होता है। इनमें से अनेक विकृत प्रकारों के कारण कोई रोग नहीं होता है लेकिन कुछ विकृत प्रकार के कारण कोई रोग नहीं होता है लेकिन कुछ विकृत हीमोग्लोबिन के कारण हीमोग्लोबिनोपेजीय नामक आनुवांशिक रोगों के एक समूह की उत्पत्ति होती है सिकल सेल रोग सबसे मशहुर हीमोग्लोबिन पैथी है जो मनुष्य का पहला रोग है जिसकी प्रक्रिया आण्विक स्तर पर समझी गई है। एक (अधिकार) अन्य रोग समूह थैलीसीमिया में ग्लोबिन जीवन नियंत्रता की समस्याओं और विकृतियों के कारण सामान्यत या कभी - कभी असामान्य या कभी - कभी असामान्य हीमोग्लोबिन का कम मात्रा में उत्पादन होता है। इन सभी रोगों में रक्ताल्पना होता है।

अन्य प्रोटीन की तरह हीमोग्लोबिन के

अमाइनो एसिडो की श्रृंखला अनुपूली ही सकती है अध्ययनों मे दर्शाया गया है कि पर्वतो मे रहने वाले हरिण मुषक कैसे उनके भिन्न जीन प्रकारों कि मदद से ऊंचाइयों पर पाए जाने वाली पतली वायु मे जीवित रहते है। नेब्रास्का लिंकन विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता ने चार भिन्न जीनो मे विकृतिया पाई जिन्हे बिचले इलाकों से पाया पकड़े गए जंगली मुषकों की जाँच फेफड़ो पर पाया गया कि दोनों नस्लों की जीने एक समान थी सिवाय उनके जो हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन वाहक क्षमता को नियंत्रित करती है पहाड़ी की जीनिय भिन्नता उसे ऑक्सीजन का अधिक बेहतर प्रयोग करने की क्षमता प्रदान करती है क्योंकि पर्वतो जैसे ऊँचे स्थानो पर वह कम मात्रा मे उपलब्ध होती है प्राचीन हथियो के हीमोग्लोबिन की विकृतियो के कारण कम तापमान के इलाको मे भी ऑक्सीजन की आपूर्ति संभव होती थी जिससे वे प्लीस्थोसीन के दौरान अधिक ऊँचाइयो पर आसानी से रह सकते है।

हीमोग्लोबिन प्रोटीन को तृतीय और चतुर्थक रचनाओं दोनों के गुण प्रदर्शित करता है। हीमोग्लोबिन के अधिकांश अमादनी एसिड अल्का हीलिक्सों का निर्माण करते हैं। जो छोटे अहीलिकीत सेकरानी को स्थिर करते हैं जिससे अणु के भीतर एण्डोजन तोड़ हीलिकीय सेकसनों को स्थिर करते हैं जिससे अणु के भीतर एण्डोजन तोड़ हीलिकीय सेकसनों को स्थिर करते है जिससे अणु के भीतर आकर्षण उत्पन्न हो जाते हैं और प्रत्येक पालिपेराइड श्रृंखला एक विशेष आकार मे मुड़ जाती है। हीमोग्लोबिन की कवाटनरी रचना स्ट्रे टेट्राहेडाल व्यवस्था मे स्थित उसकी चार उपकाईयों के कारण बनती है।

अधिकांश मनुष्यों मे हीमोग्लोबिन अणु चार ग्लोबुलार प्रोटीन उपइकाईयों का एक समुह होता है प्रत्येक उपइकाई एक और - प्रोटीना हीम समुह से कुछ कर कुड़ी एक ग्लोबिन कोल्ड व्यवस्था मे आपस मे जुड़े अल्का हैलिक्स रचनात्मक खंडो के सेंड अल्का हैलिकस के रूप मे व्यवस्थित होती है क्योंकि मयोग्लोबिन जैसे अन्य हीम ग्लोबिन प्रोटीन मे इसी फोल्डिंग पेटर्न में एक स्थान होता है जो हीम समुह को मजबुती मे पकड़े रखता है।

मनुष्यों में प्रकार :-

हीमोग्लोबिन के विभिन्न प्रकार भ्रुण और शिशु के सामान्य विकास का एक हिस्सा होते हैं लेकिन किसी जनसमूह में अनुवांशिक भी भिन्नताओं के कारण उत्पन्न हीमोग्लोबिन के रुग्णताकारक विकृत प्रकार भी हो सकते हैं। कुछ मशहूर हीमोग्लोबिन प्रकार जैसे सिकल सेल एनीमिया रोगो के लिए जिम्मेदार होते हैं और उन्हें हीनोग्ली बिनोपैथी कहा जाता है। और उन्हें हीनोग्लो बिनोपैथी कहा जाता है अन्य प्रकारों से कोई विशेष रुग्णता नहीं होती है। [इसलिये उन्हें अरुग्णताकारक प्रकार कहते हैं।

भ्रुण मे :-

- गॉवर 1 (7_2 ε_2)
- गॉवर 2 (O_2 ε_2) पीडीबी 1 Agw)
- हीमोग्लोबिन पोरलेंड (2_2 Y_2)

शिशु मे →

- हीमोग्लोबिन एक ($a_2 Y_2$) (पीडिबी 1 FDH)

Date __/__/__
Page

वयस्को में

- हीमोग्लोबिन ए :-
अधिक मात्रा मे (a_2B_2) सबसे आम 95%

हीमोग्लोबिन एट
तीसरे मोनासिक ($a_2\delta_2$) मे S श्रखंला संश्लेषण
और वयस्को में शुरू होता है
1-5-3-5% होता है इसकी सामान्य स्तर

- हीमोग्लोबिन एक
हीमोग्लोबिन एक ($a^2 y^2$) वयस्को मे
सीमित लाल कोशिकाओं मे एक कोशिका नामक कुछ ही होता है।
लेकिन एचबी एक का स्तर सिकल सैल एनीमिया से ग्रस्त रोगी मे बढ़ सकता है।

रोग उत्पन्न करने वाले कारक :-

- हीमोग्लोबिन एच ($B4$) - B श्रंखलाओं के एक टेट्रामर द्वारा उत्पन्न हीमोग्लोबिन का
एक प्रकार जो थैलेसीमिया प्रकारो मे
पाया जा सकते है।

- हीमोग्लोबिन बार्टस (4X) - 4 श्रंखलाओं के एक टेट्रामर द्वारा उत्पन्न हीमोग्लोबिन का
एक प्रकार जो थेलेसीयिया के प्रकारो
जो थैलेसियिया के प्रकारो मे पाया
जाता है

- हीमोग्लोबिन एस ($a_2\delta S_2$) सफल सेल रोगियो

[illegible] गया [illegible]
एक प्रकार [illegible] हीमोग्लोबिन [illegible]
मिलना [illegible] होने हुए श्रृंखला [illegible]
[illegible] हिमोग्लोबिन के [illegible]
[illegible] कारण एक [illegible] है
होती है। [illegible] की [illegible]

- हीमोग्लोबिन की परिवर्तन के कारण $(a_2 Bc_2)$ - B- श्रृंखला में उत्पन्न एक और प्रकार उग्र प्रकार के कारण एक हल्की दीर्घकालिक हीमोलाइटिक रक्ताल्पता होती है।

- हीमोग्लोबिन ई परिवर्तन के कारण $(a_2 E_2)$ - B- श्रृंखला में उत्पन्न एक और प्रकार उग्र प्रकार के कारण एक हल्की दीर्घकालिक हीमोलाइटिक रक्ताल्पता होती है।

- हीमोग्लोबिन एस - सिकल सेल रेट को उत्पन्न करने वाला एक प्रकार जिससे एक वयस्क जीन है और एक सिकल सेल जीन होती है।

- हीमोग्लोबिन एस सी रोग एक सिकल सेल हीमोग्लोबिन सी की जीन दोनो न दुगरी [illegible] और प्रकार वाला एक

Date / /
Page

रोगों में भूमिका :-

हीमोग्लोबिन की कमी हीमोग्लोबिन अणुओं की मात्रा में कमी जैसे एनीमिया में या प्रत्येक अणु की ऑक्सीजन के समान आंशिक दबाव पर ऑक्सीजन को बांधने की क्षमता में कमी के कारण हो सकती है। हीमोग्लोबिन वैथियां इन दोनों का कारण हो सकती है हर हाल में हीमोग्लोबिन की कमी रक्त की ऑक्सीजन को करने की क्षमता को घटा देती है साधारणतया हीमोग्लोबिन की कमी रक्त में ऑक्सीजन की कमी को रक्त में से अलग पहचानना चाहिए हांलाकि दोनों ही अल्पआकसीयता के कारणों में शामिल है!

कम हीमोग्लोबिन के अन्य कारणों में रक्त के द्वारा पोषण की कमी रक्त मज्जा समस्याएं कीमो थेरेपी गुर्दी का काम न करना या असामान्य हीमोग्लोबिन आदि शामिल है।

प्रत्येक हीमोग्लोबिन अणु की आक्सीजन के वहन की क्षमता सामान्यतः परिवर्तन रक्त पीएज या कार्बनडाई ऑक्साइड द्वारा संशोधित होती है। जिससे एक परिवर्तित आक्सीजन हीमोग्लोबिन विघटन वह बनता है यह भी रोगी द्वारा बदला जा

Date / /
Page

सकता है। यह एक कार्बन भी रोगी मोनो ऑक्साइड द्वारा विषाक्तता।
लाल रक्त कोशिकाओं की कमी के साथ या उसके बिना हीमोग्लोबिन की मात्रा में कमी से उत्पन्न होते हैं रक्ताल्पता के लक्षण कारण होते हैं रक्ताल्पता के कई
विश्व में लोह की हालांकि पश्चाय उससे उत्पन्न लोह की कमी और रक्ताल्पता इसके कारण है चूंकि लोह की कमी उतनी है इसलिये लोह की कमी वाली रक्ताल्पता में लाल हीमोग्लोबिन वर्णक का अभाव की और आकार में छोटी (माइक्रोसाइटिक) दिखती है अन्य रक्ताल्पतार विरुद्ध होती है।
हीमोग्लोबिन में हिमोलाइसिस यथापचयक बिलिरुबिन के कारण पीलिया हो जाता है और रक्त में प्रवाहित हो रहे हीमोग्लोबिन के कारण गुर्दे नाकाम हो सकते हैं।

ग्लोबिन श्रृंखला के कुछ विकासों का संबन हीमोग्लोबिन से होता है और जैसे सिकल सेल रोग और जैसे कि थैलेसिमिया अन्य विकार में है। इस लेख में प्रारम्भ मूद होते है। कहा गया कर है।

और केवल हीमोग्लोबिन प्रकारो के रूप मे वर्गीत किये जाते है।

पारकदशिया नामक आनुवांशिक रोगो के समुह मे हीम संश्लेषण के चयापचयी मार्गी भी त्रुटिया पाई जाती है युनाइटेड किंगडम का किंग जार्ज सम्भवना इस रोग का सबसे प्रसिद्ध रोगी था।

कुछ कम हद तक हीमोग्लोबिन ए प्रत्येक बीटा श्रृंखला के वैलाइन पर ग्लूकोज से धीरे-धीरे संयुक्त होता है इससे प्राप्त अणु को संयुक्त होता है इससे प्राप्त अणु को अक्सर एचबीए भी कहते है। एचबीए 1 सी मे 1 बदल रहे एचबीए का प्रतिशत 1 भी बढ़ता है जिन मधुमेह के रोगीयों मे ग्लुकोज अधिक अधिक होता है ग्लुकोज मे एचबीए भी अधिक होता है ग्लुकोज मे एचबीए के संमुक्त होने की दर के धीमे होने के कारण एचबीए 1 सी का प्रतिशत लंबे समय मे रक्त मे ग्लूकोज के स्तर के औसत का माप निर्धारित करता है।

ग्लाइकोसिलेटेड हिमोग्लोबिन हीमोग्लोबिन का वह प्रकार है जो ग्लूकोज से संयुक्त रहता है ग्लूकोज हीमोग्लोबिन से लाल रक्त कोशिकाओं पर्यंत संयुक्त रहता है।

जो लगभग 120 दिन होता है। ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन के स्तरों को टाइप 2 मधुमेह के रोग के लंबे समय में नियंत्रण की निगरानी के लिए मापा जाता है। टा 2 डीटम के ठीक से नियंत्रित न होने पर लाल रक्त कोशिकाओं में ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन के स्तर बढ़ जाते हैं। सामान्यत: यह लगभग 4-5.9 % होना चाहिए कठिन होने पर भी टा 2 डीएम के रोगियों के लिए भी इसे 7 % से कम रखने की सलाह दी जाती है। 9 % से अधिक के स्तर ग्लाइको सिलेटेड हीमोग्लोबिन के बुरे नियंत्रण का प्रतीक होते हैं और 12 % से अधिक का स्तर बहुत बुरा नियंत्रण का प्रतीक सिलेटेड हीमोग्लोबिन स्तर के 7 % आस-पास होता है उनमें मधुमेह से उत्पन्न जटिलताएं होने की संभावना की कम हो जाती है।

टा 2 डीएम में रोगियों के ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन के स्तरों पर दो भिन्न प्रकार के अभ्यास कार्यक्रमों के प्रभाव को ~~पहचने~~ परखने के लिए एक शोध किया गया था

इस जाँच मे कुछ ग्लाइकोसिलेटेड के ग्लुकोज नियंत्रण के रूप मे मापा गया प्रतिरोधी व्यायाम को एपरोबीक की तुलना मे बेहतर हुआ अभ्यास कार्यक्रमों के औसत प्रभाव मे शामिल थी 0.8% की कमी तक आहार और दवा था उपचार के समान (0.6 - 08% की कमी) थी। जो लंबे उस के

हीमोग्लोबिन के बढ़े हुए स्तर का संबंध लाल रक्त कोशिकाओं की अधिक संख्या या आकार से होता है यह वृद्धि जंमाजात हृदय रोग काट वल्मोनेल कुप, फुसीय फाइब्रोसिस बहुत अधिक एरिथ्रो पाइटिन या पोलिसाइथीमिया वेरा के कारण होती है।

योग निद्रा नामक योगाभ्यास के रोज एक आधे घंटे तक करने के अध्ययन मे हीमोग्लोबिन स्तरों मे वृद्धि देखी गई।

हीमोग्लोबिन की मात्रा का मादन सबसे अधिक किये जाने वाली रक्त जाँच मे एक है और सामान्यत संपूर्ण रक्त गणना के एक भाग के रूप मे किया जाता है कुछ इसकी जाँच रक्तदान के पहले या बाद मे की जाती है परिणामों को प्राति ली मे व्यक्त किया जा सकता है।

1 ग्रा प्रति डीएल लगभग 0.15 मिली मोल प्राति ली के बराबर होता है।

सामान्य स्तर है।

पुरुष - 13.8 to 18.2 g/dL

स्त्रियां - 12.1 to 15.1 g/dL

बच्चे - 11 to 16 g/dL

गर्भवती स्त्रियां - 11 to 12 g/dL

- गर्भवती स्त्रियों के पहले और तीसरे त्रैमासिको मे हीमोग्लोबिन का सामान्य स्तर कम से कम 11 ग्रा डीएल से और दूसरे त्रैमासिक मे कम से कम 10.5 ग्राम, डीएल होना चाहिए

Date / /
Page

यदि मात्रा सामान्य से कम हो तो इसे रक्ताल्पता कहा जाता है. रक्ताल्पताओं को लाल रक्त कोशिकाओं के आकार के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है. यदि लाल कोशिकाएं छोटी है तो रक्ताल्पता को माइक्रोसाइटिक बड़ी है तो मैक्रोसाइटिक अन्यथा नार्मासाइटिज कहा जाता है।

रक्त के आयतन मे लाल रक्त कोशिकाओं का अनुपात हेमेटोक्रिट सामान्यतः हीमोग्लोबिन की मात्रा हो तो हेमेटोक्रिट होगा। 17 5%

रक्त शर्करा की मात्रा का दीर्घकालिन नियंत्रण एचबीए 1 सी को मात्रा को माप कर किया जा सकता है इसका सीधा मापन करने के लिये की नमुनो की आवश्यकता होती है क्योंकि रक्त शर्करा के स्तर दिन भर मे काफी भिन्न हो सकते है एचबीए 1 सी हीमोग्लोबिन ए के ग्लुकोज की अधिक मात्रा होने पर एचबीए 1 सी अधिक होता है चुंकि यह प्रक्रिया धीमी होती है एचबीए 1 सी का अनुपात लाल रक्त मे ग्लुकोज के स्तर के और का प्रतिनिधित्व करता है एचबीए 1 सी का 50 प्रतिशत इससे कम का अनुपात ग्लुकोज का है।

शासकीय महाविद्यालय नागदा

जिला उज्जैन (म. प्र.)

सत्र 2023

S. No → 9

22341012

नाम – प्रियंका पाठक

कक्षा – बी.कॉम प्रथम वर्ष

विषय – Internship

रोल नं. – 22341012

नामांकन नं.–V22R076110055

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं /...../अका./...../2022 भोपाल, दिनांक 20/02/2022

प्रति,

E-max computer Centre

.....

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

प्राचार्य के हस्ताक्षर

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय
रामदा 156335

सील .....

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ..... E-MAX कंप्यूटर क्लास

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ..... निजी .....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ..... श्री राम कालोनी .....

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ..... 2 .....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है ..... 100 .....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .....

7. अन्य विशेष जानकारी .....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ..... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक
22-02-2023
संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम
E-Max - दीपक राठौर

प्रारूप - G3

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्र/............/अका./.............../2022

भोपाल, दिनांक 20/02/2023

प्रति,

E-max Computer Centre

....

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय / महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद

संलग्नक-

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय
बाबई 456335

सील ....

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : Priyanka Pathak

महाविद्यालय का नाम : Govt college Nagda

कक्षा: B. com Ist year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक : 22341012

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	B	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	B	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	B	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम : दीपक राठौड़

पदमुद्रा (सील)

दिनांक : 22-02-2023

स्थान : नागदा

Date __/__/__
Page

अनुक्रमणिका

स. क्र.	विवरण	पृष्ठ क्र.
1	विद्यार्थी का घोषणा पत्र	1
2	निर्देशक अनुमोदन पत्र	1-2
3	कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र	2-3
4	आभार	3-4
5	वचन पत्र	4-5
अध्याय - प्रथम	A1	
1	कार्य का क्षेत्र	D-1
2	कार्य का विवरण	1-1
3	सम्बंधित कार्यस्थल / संस्थान का विवरण	1-2
4	उद्देश्य तथा प्रासंगिकता	2-4
अध्याय - द्वितीय	A2	
1	कार्य का शीर्षक	1-2
2	कार्य का क्षेत्र	2-3
3	संस्था / व्यक्ति का विवरण	3-4
4	कार्य का विवरण	4-5
5	ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि	5-6
6	उद्देश्य प्रविधि	6-7
7	लक्षित प्रतिफल	7-8
8	प्राप्त प्रतिफल	7-8
9	अनुप्रयोग	8-9
10	निष्कर्ष एवं भविष्य की योजना	9-10

Date / /
Page

विद्यार्थी का घोषणा पत्र

मैं घोषणा करती हूँ कि यह प्रविधुना कार्य मेरे द्वारा किया गया है जिसमें प्रकाशित सामग्री का उपयोग केवल मेरे द्वारा किया गया है और किसी ने इसका उपयोग नहीं किया है मेरे से पहले। यह प्रविधुना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री या पाठ्यक्रम हेतु पूर्व में मेरे द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई है।

विद्यार्थी का नाम → प्रियंका पाठक

विद्यार्थी के हस्ताक्षर → Priyanka

निर्देशक का प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि प्रस्तुत प्रशिक्षुता रिपोर्ट विद्यार्थी द्वारा मेरे निर्देशन में की गई है। यह शासकीय महाविद्यालय नागदा में मेरे द्वारा मेरे अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत की गई है।

दिनांक - 22/02/2023

स्थान - नागदा

Chandni

डॉ. चाँदनी जायसवाल

E-MAX ई-मैक्स एजुकेशन नागदा जिला उज्जैन

कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रियंका पाठक
कक्षा बी कॉम फर्स्ट ईयर शासकीय महाविद्यालय
नागदा जिला उज्जैन द्वारा प्रशिक्षुता
कार्य में दिनांक से
इस संस्था से संपूर्ण 15-02-2023 तक
प्रशिक्षुता कार्य पूर्ण किया। 22-02-2023

प्रियंका पाठक अति परिश्रमी समर्पित और
परिणामोन्मुखी है। इन्होने संस्था में अपने
कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया।
हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते है

शुभकामनाओं सहित

स्थान - श्री राम कॉलोनी नागदा

दिनांक - 22-02-2023

Emax Computer Education
A Unit of Emax India
ISO 9001 : 2015
Branch Code
Emax/ EK 17065
www.emaxindia.in

संस्था की सील

Date __/__/____
Page _____

वचन पत्र

मैं प्रियंका पाठक / पिता अजय कुमार पाठक वाणिज्य कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय नागदा का छात्र हूँ मैं यह वचन देती हूँ कि प्रस्तुत प्रशिक्षण रिपोर्ट मेरे द्वारा स्वयं बनायी गयी है एवं इसमें नकल का प्रयोग नहीं किया गया है.

दिनांक → 22-02-2023

प्रशिक्षणार्थी → प्रियंका पाठक

स्थान → नागदा, जिला उज्जैन

प्रशिक्षुता (Internship) / शिक्षुता (Apprentiship)

कार्य का क्षेत्र →

मैंने प्रशिक्षुता (Internship) का कार्य कम्प्यूटर क्षेत्र (स्थान) श्री राम कॉलोनी नागदा से किया है। कम्प्यूटर के क्षेत्र से हमें कई जानकारी मिलती है। आज का युग विज्ञान का युग है। कम्प्यूटर मनुष्य की इन्ही अद्भुत खोजो में से एक है जिसने मानव जीवन को लगभग सभी क्षेत्रों में प्रभावित किया है।

कार्य का विवरण →

मैं कार्य करने के लिए कम्प्यूटर के क्षेत्र में गयी स्थान श्री राम कॉलोनी विश्वकर्मा मंदिर के पास 48 ई-मैक्स इंस्टिट्यूट जो सरकार द्वारा पंजीकृत है। वहाँ पर मैंने एम एस वर्ड, एम एस एक्सेल सिखा वहाँ पर आनलाईन फॉर्म भरे जाते है। एम एस एक्सेल में मैंने पीएमटी वीलुकअप सिखा और एम एस वर्ड HLOOKUP में Resume बनाना सिखा।

सम्बंधित कार्यस्थल / संस्थान का विवरण →

मैंने यह कार्य कम्प्यूटर क्षेत्र से किया है इसका स्थान विश्वकर्मा मंदिर 48, श्री राम कॉलोनी (नागदा) के पास ई-मैक्स कम्प्यूटर एजुकेशन महाँ से मैंने यहाँ प्रशिक्षुता का कार्य किया है यहाँ कम्प्यूटर की नॉलेज बच्चों को दिया जाता है। इस संस्थान का पंजीकरण भी है। यहाँ ऑनलाइन फार्म भी भरे जाते है। यहाँ से मैंने 7 दिन का प्रशिक्षुता का कार्य किया है। कम्प्यूटर में यहाँ कई कोर्स किये कराए जाते है, जैसे (DCA, PGDCA, Hacking) आदि। एम एस वर्ड, एम एस एक्सेल DCA के अंदर टेली, एम एस एक्सेल आदि और ऑनलाइन फार्म मे सभी तरह की परीक्षा जो देश में होती है जैसे एस एस सी, बैंक परीक्षा, यूपी एसएसी आदी यहाँ से छात्र पढ़ने आते है। यहाँ संस्थान 10 का 8 खुलने का समय बजे सुबह से रात 8:00 बजे बंद होने 9:00 का समय है।

उद्देश्य तथा प्रासंगिकता

प्रस्तावित प्रशिक्षण के लक्ष्य → मेरा उद्देश्य था कि कम्प्यूटर के क्षेत्र की जानकारी लूँ और मुझे जानकारी मिली भी 7 दिन के प्रशिक्षुता कार्य मे मैंने कम्प्यूटर

Date __/__/__
Page

का ज्ञान लिया जो मेरा उद्देश्य था।

मापन योग्य → मेरी कम्प्यूटर कोर्स की जो प्रशिक्षुता कार्य था उसकी पूर्ति लगभग हो गई है मैंने 7 दिन जाकर जो ज्ञान लिया है वो मेरे लिए काफी है। एम एस वर्ड, एम एस एक्सेल। एम एस एक्सेल मैंने सिखा मैंने देखा वहाँ कैसे हर दिन कितना काम रहता है। हर समय बच्चे ज्ञान आते रहते हैं और जाते रहते हैं।

प्राप्त करने योग्य → कम्प्यूटर का ज्ञान कभी खत्म नहीं होता लेकिन हम कम्प्यूटर से कई चीजें (ज्ञान) सीख सकते हैं, जैसे PGDCA, Hacking आदि यहाँ सिखने योग्य DCA है। क्योंकि आज के समय में हर कोई यह सीख रहा है। मैं कई ज्ञान अर्जित या ग्रहण करने जैसी DCA चीजे है- जैसे - MS word, excel powerpoint, tally आदि। जिसकी आवश्यकता आज के समय में बहुत है।

इसका इस्तमाल होता है। ई-मैक्स सेंटर पर रोज में 50 से 80 बच्चे कम्प्यूटर सिखने आते हैं और वहां सेंटर के टिचर उन्हें पहले 10 मिनट टाइपिंग करने को कहते और उनको देखते है कि वे टाइपिंग कर रहे है या नहीं। फिर ~~टाइपिं~~ टाइपिंग हो जाने के बाद उन्हें एम. एस. वर्ड और एम एस एक्सेल सिखाते उन्हें सिखाते - सिखाते मैं भी 7 दिन में एक्सेल और वर्ड सिख गयी।

इसके सिवाए वहाँ पर कई लोग एग्ज़ाम फॉर्म भरवाने आते। उनके फार्म केवल एग्ज़ाम फॉर्म नहीं होते कुछ - कुछ बच्चे छात्रवृत्ति योजना के फॉर्म भी भरवाने आते हैं।

7 दिन में मैंने एम. एस. वर्ड और एम. एस एक्सेल बच्चों को सिखाया भी और खुद सीखा भी। 7 दिन मैंने जो भी सिखा जो मेरे काम आएगा और ई-मैक्स सेंटर पर क्या - क्या काम होते है। ये भी सीखा बच्चों के छात्रवृत्ति फॉर्म और कई राज्य स्तर एग्ज़ाम फॉर्म भरना कितना मुश्किल होता है ये भी पता चला।

कार्य का क्षेत्र → प्रशिक्षुता कार्य के अंतर्गत कार्य क्षेत्र था ई-मैक्स एजुकेशन (कम्प्यूटर संस्था) से मैंने आपना प्रशिक्षुता कार्य किया। ई-मैक्स एजुकेशन (श्री राम कॉलोनी) नागदा से मैंने 7 दिन का प्रशिक्षुता कार्य किया। संस्था का खुलने का समय सुबह 9:00 बजे से तो बन्द होने का समय 8:00 बजे का है। यहाँ मैंने बच्चो को एम.एस. वर्ड सिखाया और एम.एस. एक्सेल भी सिखाया। सबसे पहले जब बच्चे वहाँ आते तो उन्हें 10 मिनट की टाइपिंग करने को कहता और उनका ध्यान रखता फिर उन्हें एम.एस. वर्ड और एक्सेल के बारे में बताती क्योंकि एम.एस. वर्ड और एक्सेल जो है कम्प्यूटर के वो एप्स है, जिनकी आवश्यकता जिसके ज्ञान की आवश्यकता होना जरूरी है कम्प्यूटर का ज्ञान अगर आज के समय मे आपके पास नही है, तो आपका ज्ञान अधुरा है, इसीलिए ये 7 दिन के प्रशिक्षुता कार्य मे, मुझे बहुत ज्ञान मिला और फायदा भी हुआ।

Date / /
Page

संस्था / व्यक्ति का विवरण -> मैंने प्रशिक्षुता कार्य ई-मैक्स एजुकेशन से किया है जिसका पंजीकरण भी है और यह संस्था श्री राम कॉलोनी नागदा में है इस संस्था के प्रमुख व्यक्ति है दीपक राठौर सर जिनकी यह संस्था है, ई-मैक्स कम्प्यूटर एजुकेशन एक भारत का सबसे तेजी से बढ़ता एजुकेशन ग्रुपगेट है। यह एक इंटरनेशनल आथराइज्ड ब्रांड फ्रेंचाइज है। ई-मैक्स एजुकेशन भारत का नंबर कम्प्यूटर केंद्र फ्रेंचाइज है। इस संस्था के 1 प्रमुख व्यक्ति और मेरे प्रशिक्षुता कार्य के मार्गदर्शक दीपक राठौर सर जिनके पास कम्प्यूटर का ज्ञान इतना ज्यादा है, जिसकी कोई सीमा नही है और साथ ही साथ सर कोई भी कई एग्जाम फॉर्म भी भरते है। भारत में होने वाली सभी एग्जाम फॉर्म सर भरते है बच्चो के। सर ने मुझे कम्प्यूटर का बहुत ज्ञान दिया और सर बहुत महनती है। सर की संस्था में 50 से 70 बच्चे रोज़ कम्प्यूटर सीखने आते है और बहुत लोग एग्ज़ाम फॉर्म भरवाने आते है, तो कई लोग e डाक्युमेंट बनवाने आते है।

कार्य का विवरण तथा उपयोगिता → मैंने प्रशिक्षुता
ई-मैक्स एजुकेशन कार्य के अंतर्गत
पूर्ण किया। मैंने से अपना प्रशिक्षुता कार्य
कार्य में मैंने 7 दिन के प्रशिक्षुता
सिखाया और बच्चों को टाइपिंग करना
वह टाइपिंग उनका ध्यान रखा के
की उपयोगिता कर रहे है या नहीं। टाइपिंग
टाइपिंग की कई परीक्षा में होती है।
में से रफ्तार अगर आपकी हिन्दी
ज्यादा 20 ज्यादा है और
है तो आप English में से 35
देकर आप CPCT Exam
या
CPCT Degree मिल जाएगी, certificat आपको
जिससे
आपको गवर्मेंट जॉब प्राप्त करने में मदद होगी
और मैंने प्रशिक्षुता कार्य में बच्चों को
एम. एस. एक्सेल में मैंने बच्चों को PMT
फार्मुला और आदि फार्मुले सिखाए।
एम. एस एक्सेल का उपयोग व्यवसाय में बहुत
होता है। इससे आप व्यवसाय का हिसाब-किताब
करने में आसानी होती है। एम. एस. वर्ड से
मैंने बनाना सीखा और बच्चों को
सिखाया Resume भी। Resume की जरूरत जॉब
पाने के लिए उन्हें पहले अपना Resume
भेजा जाता है और दिखाया जाता है।
एम. एस. एक्सेल में मैंने PMT, Sumif, Mark-
sheet, VLOOKUP formule सिखे।

Date___/___/___
Page______

(वास्तविक / प्रासंगिक) -> कंप्यूटर वास्तविक में हमारे सीखने योग्य है और हमारे लिए जरूरी है कम्प्यूटर का ज्ञान आज की आवश्यकता है। कम्प्यूटर का ज्ञान आपके पास नहीं है तो आपको अर्जीत करना चाहिए। मैंने 7 दिन में जो सीखा वह बहुत कम ज्ञान है, परंतु जो सीखा है मेरे काम का है।

समयबद्ध -> प्रशिक्षण कार्य 7 दिन में कर-कर मैंने यह कार्य करा। वास्तव में यह कार्य 7 दिन में करना कठिन था, लेकिन कम्प्यूटर के क्षेत्र की जानकारी हमें ई-मैक्स इंस्टियूट से जो वहा के शिक्षक ने दी वो हमें काम आएगी। वास्तव मे ये कार्य सीखने मे 1 वर्ष लगता है, परंतु हमें यह कार्य 7 दिन मे सिखना था। हम पूरे 1 वर्ष का ज्ञान 7 दिन में नहीं ले सकते परंतु जो सीखा वह हमें आगे काम आएगा

प्रशिक्षण के उद्देश्य

→ बी. कॉम प्रथम के छात्र रोजगार प्राप्ति के लिए से में पढ़ाई के साथ-२ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक विषय के लिए इंटरनशिप प्रारंभ की गई है। इंटरनशिप में मैंने ई-मैक्स सेंटर श्री राम कॉलोनी नागदा से प्रशिक्षुता रिपोर्ट 48 तैयार कि है, जिसका उद्देश्य है -

1) ई-मैक्स एजुकेशन को जानना
2) कम्प्यूटर को चलाना सिखना
3) बच्चों को कैसे सिखाते है
4) एग्जाम फॉर्म और छात्रवृत्ति फार्म कैसे भरे जाते है ये सिखना।

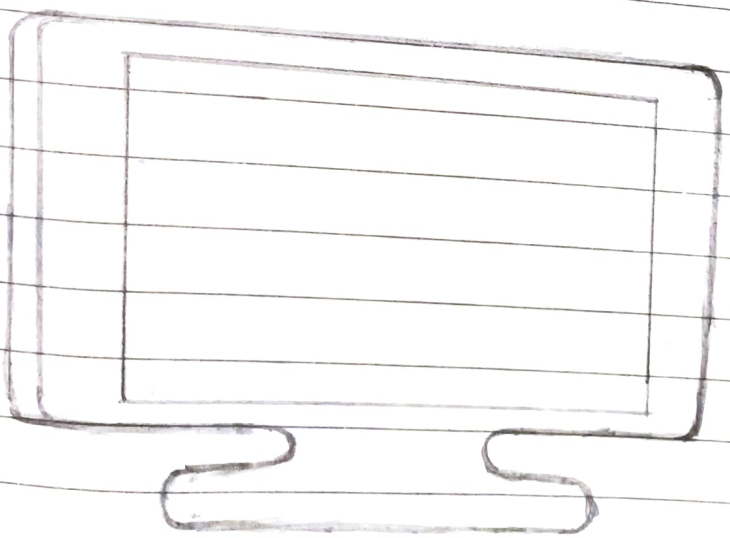

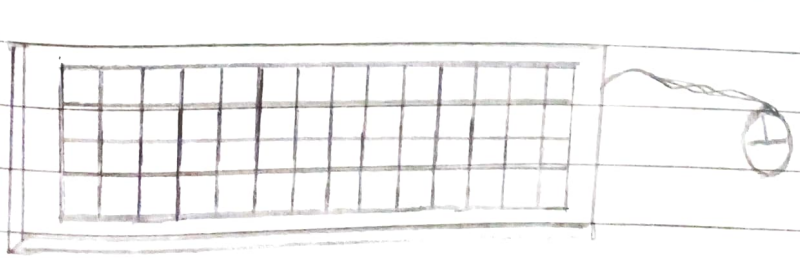

Date __/__/____
Page _____

लक्षित प्रतिफल (Intended Outcome) → पढ़ाई के साथ सीखना जरूरी होता है। पढ़ाई के साथ उसका प्रतिफल पाने के लिए कक्षा अध्ययन के साथ ही साथ प्रायोगिक कार्य सिखना भी जरूरी है, इसलिए इंटरनशिप हमने की। इंटरनशिप में मैंने कम्प्यूटर संस्था में जाकर कम्प्यूटर ज्ञान लिया एम. एस वर्ड और एक्सेल सिखा और बच्चों को सिखाया भी, Resume बनाना सिखा ई-मेल्स एप्लीकेशन में क्या-क्या कार्य होता है हमारा लक्षित प्रतिफल पढ़ाई के साथ कुछ सीखना था। हमारे लक्षित प्रतिफल में -

1. इंटरनशिप को समझना
2. कम्प्यूटर की जरूरत को जानना।
3. कम्प्यूटर की आवश्यकता और महत्व को जानना।

प्राप्त प्रतिफल (Achieve Outcome) → प्रशिक्षुता या इन्टर्नशिप का अर्थ एक नया व्यवसाय या नौकरी आरंभ करने वालो को एक तरह से सीखने का अवसर प्रदान करना है अध्ययन के साथ ही अपने विषय में रोजगार की संभावनाओं को तलाशने के लिए प्रशिक्षुता का पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

Date __/__/____
Page _____

निष्कर्ष एवं भविष्य की योजना ⇒ 7 दिन के इंटरनशिप के निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुई -

1. कम्प्यूटर के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाए है।
2. ई-मैक्स एजुकेशन का ज्ञान और काम सिखा कर भविष्य में खुद का ई-मैक्स सेंटर खोल सकते है।
3. इंटरनशिप हमें विडियो डेटा बनाना सिखाया
4. इससे हमारी कम्युनिकेशन स्किल विकसित हुई
5. इंटरनशिप से बहुत कुछ सिखने को मिलता है।

भविष्य की योजना ⇒ भविष्य में मैंने यह सोचा है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा पास करने के बाद द्वितीय वर्ष में भी मैं इंटरनशिप करूँगी। कॉलेज में पढ़ाई के साथ हर साल इंटरनशिप रिपोर्ट तैयार करूँगी। इंटरनशिप की वजह से मुझे कम्प्यूटर के बारे में बहुत कुछ सिखने को मिला। भविष्य में खुद का ई-मैक्स एजुकेशन सेंटर भी खोल सकती हूँ। इसकी वजह से मैंने जो भी सिखा वह भविष्य में मेरे बहुत काम आएगा।

INTERNSHIP/APPRENTISHIP REPORT

(AAGANWADI CENTER)

For Partial fulfillment of degree of B.COM

(2022 - 2023)

NAME OF STUDENT — Kavina Patidar

CLASS - B.COM I year

ROLL No. - 22341016

NAME OF CENTER — AAGANWADI CENTER

NAME of SUPERVISOR

DR. CHANDANI JAISWAL

(Department of COMMERCE)

(Govt. College Nagda)

Affiliated to

(VIKRAM UNIVERSITY)

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं चाँदनी जायसवाल हस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करती हूं कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में किये गए परियोजना शिक्षुता / प्रशिक्षुता कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है।

यह (शासकीय महाविद्यालय नागदा) में मेरे द्वारा मेरे अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत की गई है।

निर्देशक → Chandni

हस्ताक्षर →

दिनांक → 24/04/2023

संस्था → आंगनवाड़ी केंद्र मिनावदा

घोषणा पत्र

मैं एतद द्वारा घोषणा करती हुं कि यह परियोजना शिक्षण/प्रशिक्षण मेरे द्वारा किए गए मूल कार्य पर आधारित है। जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति (Duly Acknowledged) उपरांत किया गया है।

मैं यह भी घोषणा करती हुं की यह प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट मेरे द्वारा कहीं से भी नकल नहीं की गई है।

विद्यार्थी का नाम → रविना पाटिदार

कक्षा → B.COM 1st year

हस्ताक्षर → Ravina

दिनांक → 24/04/2023

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)

ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र./ 6 /अका./ 21/2/2023

नागदा, दिनांक 21/2/23

प्रति,

श्रीमती कैलाश परमार

आंगनवाडी केंद्र मिनावदा

विषयः– आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था/प्रशिक्षक/व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्न – प्रारूप – **G2**

प्राचार्य कें हस्ताक्षर........ प्राचार्य

सील........ शासकीय महाविद्यालय नागदा 456335

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... आँगनवाड़ी केंद्र (मिनावदा)

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... अर्द्धशासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... ~~धर्मेन्द्र सिसोदिया~~ उज्जैन (म.प्र.)

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... आँगनवाड़ी कार्यकर्ता आँगनवाड़ी सहायिका - 02

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 25-30

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... हाँ / संभावना है

7. अन्य विशेष जानकारी .... अत्यंत महत्वपूर्ण (बाल शिक्षा केंद्र)

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय .... शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

आँगनवाड़ी कार्यकर्ता
केन्द्र क्र.23434010105

प्रारूप – G3

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)
ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र. / ......6...... / अका. / 21/2/ 2023

प्रति,

नागदा, दिनांक 21/2/23

श्रीमती अभिलाषा परमार
आंगनवाड़ी केंद्र (मिनावदा)

विषयः– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद

संलग्न –

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर .... प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय

सील .... नागदा 456335

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : रविना पाटिदार

महाविद्यालय का नाम : शासकीय, महाविद्यालय नागदा

कक्षा: B. COM. Ist year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A+	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	B	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

दिनांक : 24/04/2023

स्थान : नागदा

नाम :

पदमुद्रा (सील) आँगनवाड़ी कार्यकर्ता केन्द्र क्रं.23434010105

INDEX

S.No.	Date	Particulars	Page No.	Remark
1	15/04/2023	शिक्षण कार्य का प्राथमिक प्रतिवेदन	05	
2	15/04/2023	शिक्षण की प्रमुख गतिविधियाँ	06	
3	15/04/2023	कार्य का विवरण	07	
3	15/04/2023	समुदाय की विशेषताएँ	08	
4	16/04/2023	आँगनवाड़ी सेवाएँ	10	
5	16/04/2023	संबंधित कार्यस्थल	11	
6	17/04/2023	उद्देश्य तथा प्रासंगिकता	12	
7	17/04/2023	कार्यशीर्षक एवं क्षेत्र	13	
	17/04/2023	1 st day at Aganwadi	15	
	18/04/2023	2 nd day at Aganwadi	16	
	19/04/2023	3 rd day at Aganwadi	17	
	20/04/2023	4 th day at Aganwadi	18	
	21/04/2023	5 th day at Aganwadi	19	
	22/04/2023	6 th day at Aganwadi	19	
	24/04/2023	7 th day at Aganwadi	20	
8	21/04/2023	आंगनवाड़ी के उद्देश्य प्रविधि	21	
9	21/04/2023	तकनीकी विवरण, कार्यप्रणाली	22	
10	21/04/2023	प्राप्त प्रतिफल	23	
11	22/04/2023	आंगनवाड़ी का व्यक्तिगत प्रतिफल	24	
12	22/04/2023	ज्ञान व कौशल में वृद्धि	25	
13	22/04/2023	अनुप्रयोग	26	
14	24/04/2023	भविष्य की योजना व निष्कर्ष	27	

प्रारूप - 1

शिक्षण / प्रशिक्षण कार्य का प्राथमिक प्रतिवेदन

1| शिक्षण / प्रशिक्षण कार्यक्रम →

शिक्षण / प्रशिक्षण कार्यक्रम समाज के कल्याण अथवा समुदाय के कल्याण के लीए ऐसे संगठन मे भागीदारी है, जहाँ स्वयंसेवी कार्य जिसमे मानवीय गैर संगठनो या धार्मिक समूहो मे परियोजनाओ के लीए व्यक्तिगत समय देना शामिल है।

इसे एक गतिशील संबंधपरक क्रिया के रूप भी परिभाषित किया गया है, जो सामाजिक और संगठनात्मक परिणामो की एक श्रृंखला के लीए एक संगठन और एक समुदाय के बीच संचार, बातचीत, भागीदारी और आदान - प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।

सेवा कार्य का क्षेत्र (आँगनवाड़ी) →

आँगनवाड़ी भारत में ग्रामीण माँ और बच्चों के देखभाल केन्द्र है, बच्चों के भूख और कुपोषण से निपटने के लीए एकीकृत बाल विकास सेवा कार्यक्रम के भाग के रूप मे 1975 मे आँगनवाड़ी केन्द्रों को भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया था। आँगनवाडी का अर्थ है - ' आँगन आश्रय '।

इस प्रकार आँगनवाडी केंद्र भारतीय गाँवो में बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करता है। यह भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक हिस्सा है।

शिक्षुता / प्रशिक्षुता कार्यक्रम

(प्रमुख गतिविधियाँ)

सामुदायिक जुड़ाव में प्रमुख गतिविधियाँ

- जैविक खेती
- स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
- जनजागृति शिविर
- विकलांगता शिविर
- स्वच्छता शिविर
- मृदा स्वास्थ्य परीक्षण
- पेयजल निरीक्षण
- ऊर्जा उपयोग और ईंधन दक्षता
- सिंचाई और उर्वरकों का उपयोग

- जलवायु परिवर्तन के समस्त बचाना
- सौर ऊर्जा परियोजना
- ग्राम विकास योजनाओं से जुड़ना
- संसाधन प्रबन्धन
- समुदाय भागीदारी का अध्ययन
- ग्राम पंचायत स्तर पर मौक्षिण अध्ययन
- शैक्षणिक / बुनियादी ढांचे का अध्ययन
- संसाधन अंतराल

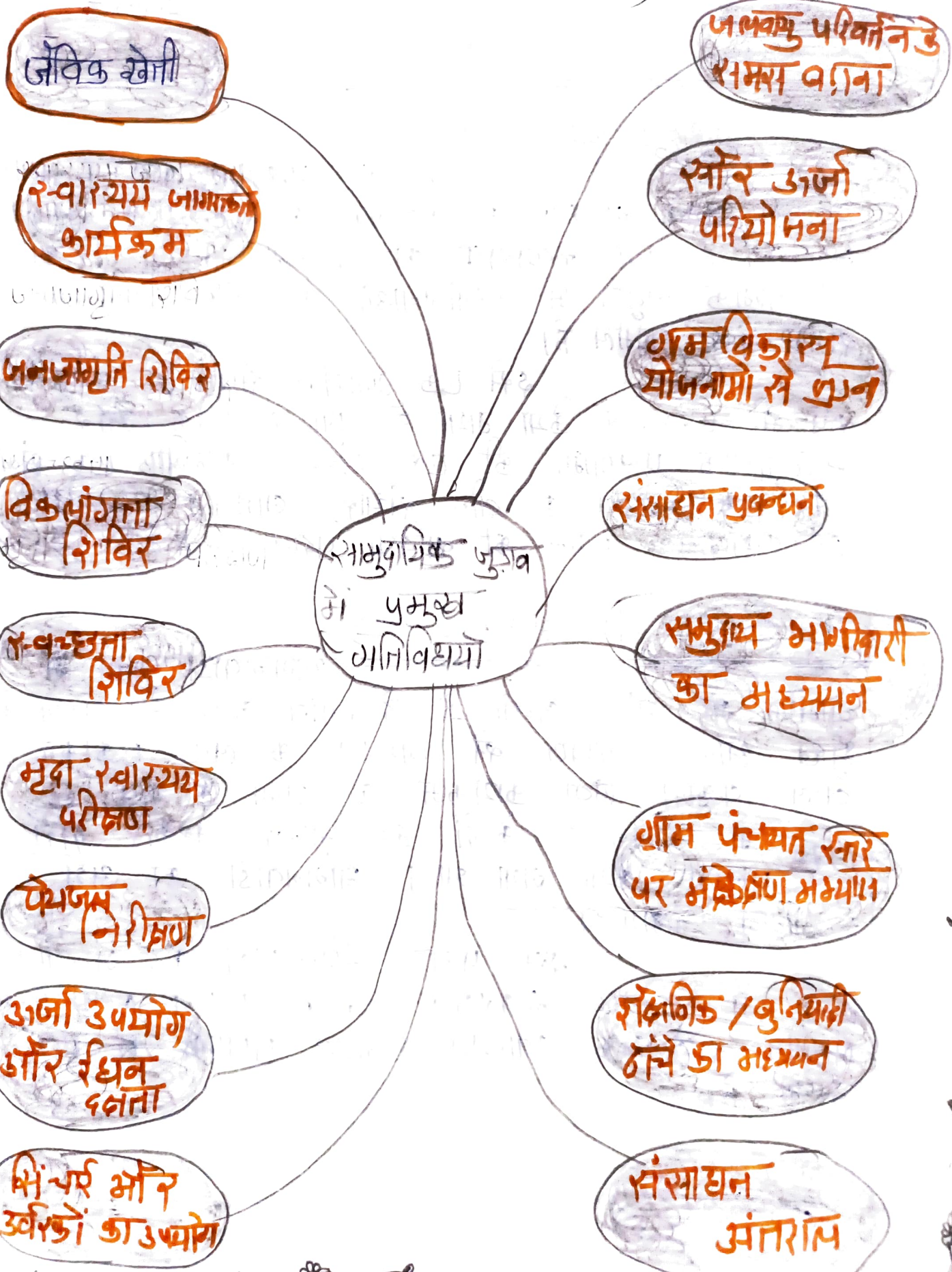

2 | कार्य का विवरण →

शिक्षुता / प्रशिक्षुता कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यक्षेत्र या आँगनवाड़ी (बाल विकास केन्द्र) इसके अन्तर्गत प्रत्येक विधार्थी को आँगनवाड़ी या अन्य सामुदायिक केन्द्रों पर जाकर सामुदायिक सेवा का कार्य करना था। तो मेरा ~~था~~ शिक्षुता / प्रशिक्षुता का कार्यक्रम करना था। तो मेरे इस कार्यक्रम का जो केन्द्र था आँगनवाड़ी (ग्राम - मिनावदा) आँगनवाड़ी। तो मैने वहाँ जाकर को किया था। तथा मैने अपना पुरा समय वहाँ आँगनवाड़ी मे व्यतीत किया। मै पुरे समय के लिए आँगनवाड़ी मे रही, मैने बच्चों की सहायता करी। मुझे आँगनवाड़ी की कार्यकर्ता श्रीमती कैलाश परमार तथा सहायिका श्रीमती मंजु सेन जी को भी मेरी सहायता मिली। तो इस परियोजना के अनुसार मुझे आँगनवाड़ी मे जाकर सामुदायिक सेवा करनी थी। आँगनवाड़ी मे बच्चे तथा माँ दोनों की सेहत को ध्यान मे रखते हुए उनके पुर्ण - संतुलित आहार की भी चिंता की जाती है। जिससे माँ तथा बच्चे को पौष्टिक आहार मिलता रहता है। आँगनवाड़ी केन्द्र पर बच्चों तथा माँ के सारे टीके लगते है। आँगनवाड़ी मे गर्भवती महिलाओं का भी आवश्यक टीकाकरण किया जाता है। तथा गर्भवती महिलाओ को किस प्रकार अपना व अपने बच्चो का ध्यान रखना चाहिए एवं उन्हे अपने खान - पान से संबंधित सभी जानकारी दी जाती है। आँगनवाड़ी केन्द्र पर ही बच्चो तथा माँ के सभी आवश्यक टीके लगाए जाते है। जिससे की ग्रामीण क्षेत्रो के लोगो को कठिनाइयो का सामना नही करना पड़ता है। तथा ये सभी टीके आँगनवाड़ी मे निःशुल्क लगाए जाते है। बच्चो को आँगनवाड़ी मे पोलियो ड्रॉप भी पिलाया जाता है जो की आँगनवाड़ी मे बिलकुल निःशुल्क

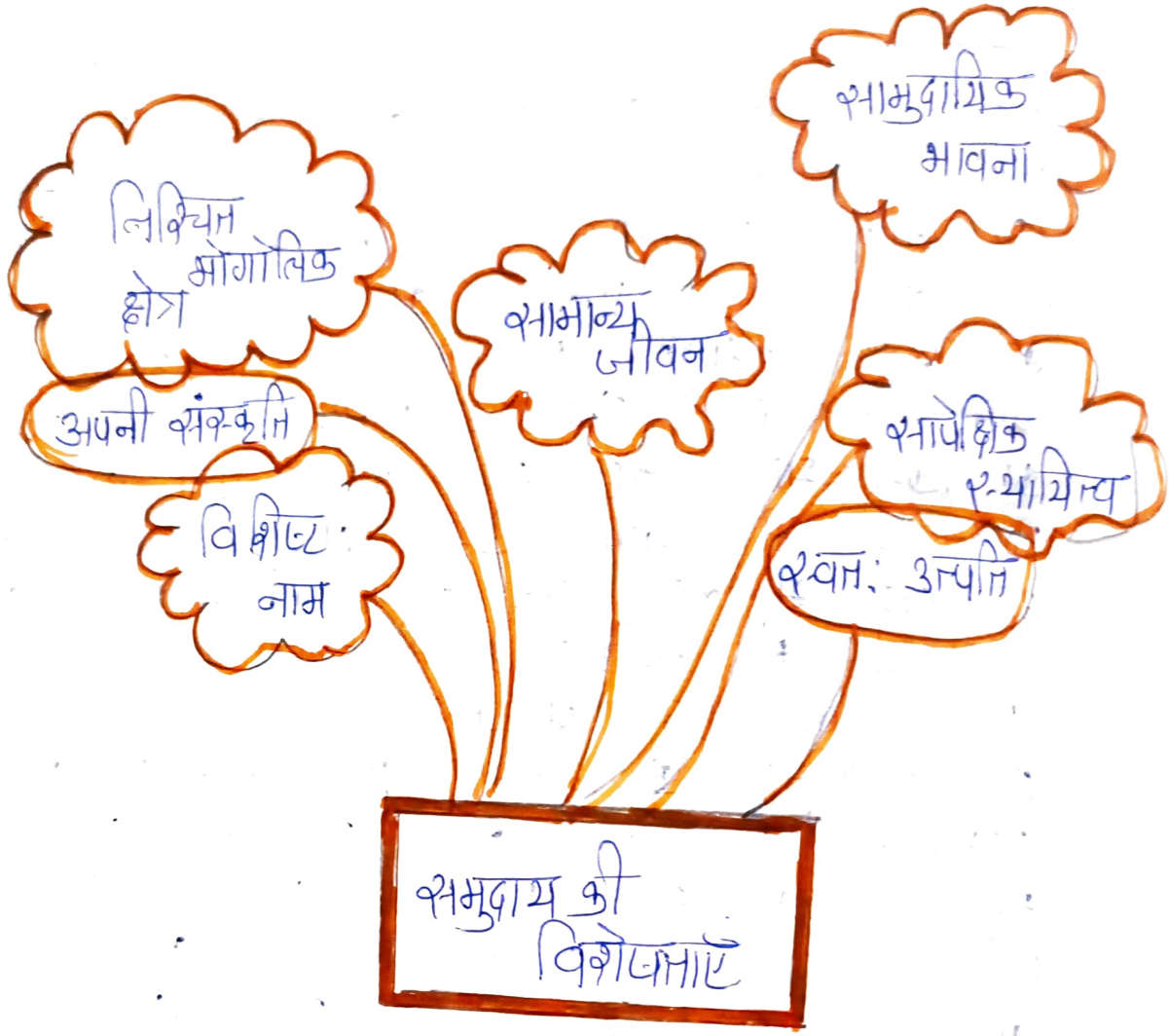
सामुदायिक भावना
निश्चित भौगोलिक क्षेत्र
सामान्य जीवन
सापेक्षिक स्थायित्व
अपनी संस्कृति
विशिष्ट नाम
स्वतः उत्पत्ति
समुदाय की विशेषताएँ

होता है। तथा इन सभी कार्यों में मैंने श्रीमती मंजु जी सेन एवं कैलाश परमार जी को बहुत सहायता करी। आंगनवाड़ी में बच्चों को संभालने, उन्हें पढ़ाने, अन्य क्रियाकलापों को कराने में भी पूर्ण सहायता करी। अतः मैंने अपना कर्तव्य पूर्णतः निभाया। इसी प्रकार मुझे 7 दिन तक वहाँ जाना था। और मैं वहाँ 7 दिन के लीए गई। तथा उन्ही की छुट्टी होने पर अपने घर वापस आई तथा अपना कार्य किया।

आंगनवाड़ी में हमें बच्चों के स्वलपाहार का भी विवरण हमे बताया कि, वहाँ कौन - कौन सा भोजन स्वलपाहार के लीए बनता है। जिससे की बच्चो का स्वास्थ्य ठीक बना रहे तथा घर के लीए क्या सामान भेजा जाता है। उसका भी संज्ञान लिया।

आंगनवाड़ी

पारम्परिक आंगनवाड़ी कार्यक्रम के तहत छः प्रकार की सेवाएं दी जाती है।

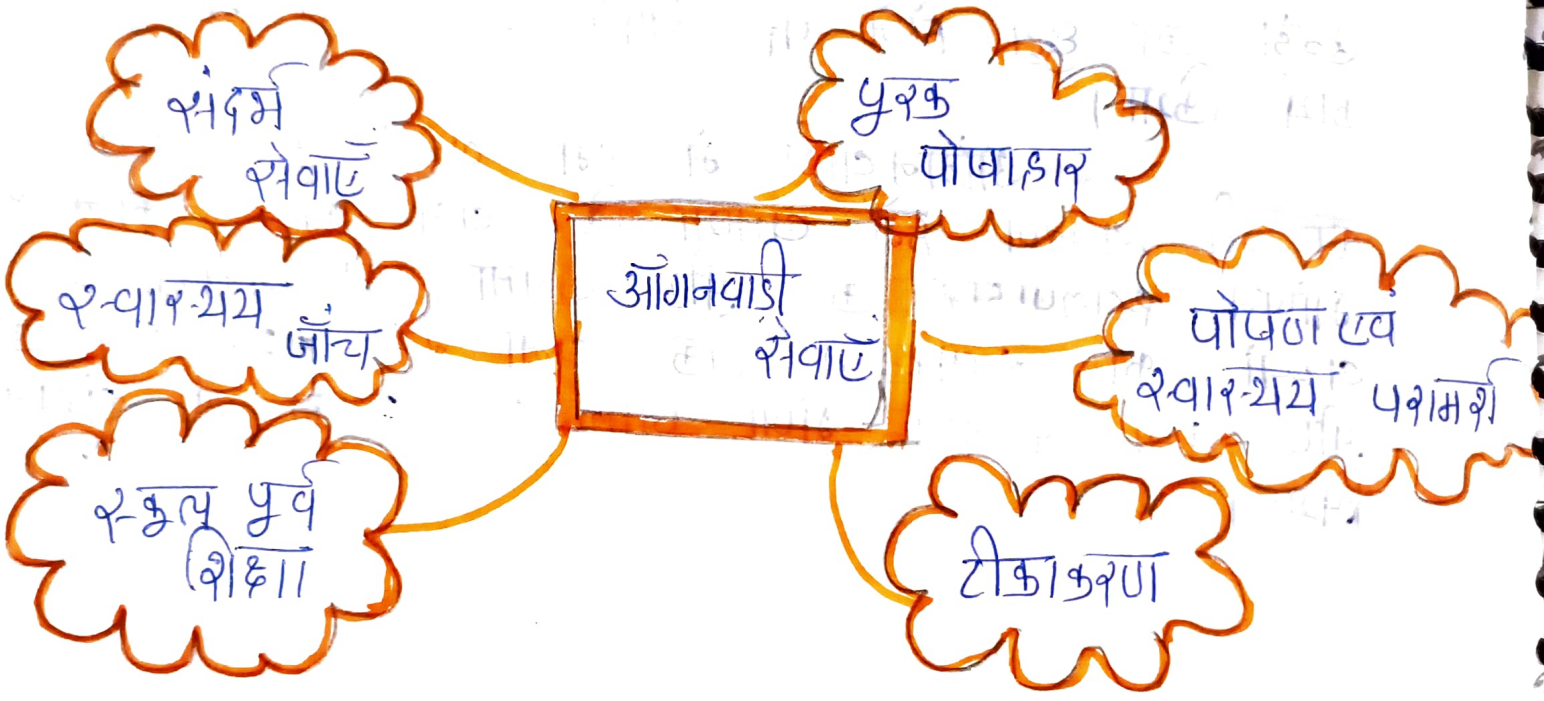

2] सांवधिा कार्यस्थल (बाल शिक्षा केन्द्र)
आंगनवाड़ी केंद्र मिनावदा
(बाल शिक्षा केंद्र)

संस्था → आंगनवाड़ी केंद्र (मिनावदा)
कार्यस्थल → मिनावदा

संस्थान में योजना अथवा स्वरूप

3] लाड़ली लक्ष्मी योजना → एम. पी. लाडली लक्ष्मी योजना इस योजना का शुभारंभ राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2007 को बालिकाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए किया गया है।

- गर्भवती महिला को रू. 6000 सरकार द्वारा करना है (आंगनवाड़ी केंद्र (प्रथम बार गर्भवती महिला)

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे गर्भवती महिलाओं के लिए जन्मपूर्व और प्रसवपूर्व देखभाल सुनिश्चित करते हैं। और नवजात शिशुओं और नर्सिंग माताओं के लिए तुरंत निदान और देखभाल करते हैं। तथा 6 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के टीकाकरण का प्रबंध करते हैं.

2] मध्यान्हन भोजन योजना।
3] गर्भवती महिलाओं के लिए (T.HR) योजना।
4] (6 माह से 3 वर्ष) बच्चो के लिए (THR)।
5] इन्दिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना।
6] शुभदा।

नई शिक्षा नीति 2020 (मध्यप्रदेश) के अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी अध्यादेश 14 B में अकादमिक संरचना में व्यवसायिक एवं प्रशिक्षुता / शिक्षुता परियोजना कार्य / सामुदायिक जुड़ाव संबंधित पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है।

शिक्षुता / प्रशिक्षुता से अभिप्राय है विभिन्न परिवेश विशिष्ट / समान रुचियों सामाजिक संरचना वाले व्यक्तियों या समुदायों से जुड़कर किसी सामाजिक सरोकार के लिए कार्य करना।

1. उद्देश्य अथवा प्रासंगिकता —

- समाज एवं शिक्षण संस्थानों के बीच की खाई को पाटना जिससे अध्यापन / शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हो।
- उच्च शिक्षण स्थानों व स्थानीय समुदायों के बीच गहरी समझ को बढ़ावा देना।
- समुदायों के समक्ष आने वाली वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान और समाधान के लीए उच्च शिक्षण संस्थाओं के प्रयास।
- सार्वजनिक सेवा अथवा मूल्यों को उल्लेखित करना।
- स्थानीय समुदायों और उच्च संस्थानों के बीच भागीदारी को सुगम बनाना ताकि छात्र स्थानीय ज्ञान से सीख सके।

कार्यशिर्षक एवं क्षेत्र →

बाल विकास केन्द्र (आंगनवाड़ी) मिनायदा

यह आंगनवाडी केंद्र (Aaganbadi centere) बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करते है। यह भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक हिस्सा है। इन आंगनवाड़ी केंद्रो मे पोषण शिक्षा के साथ ही पूर्व - विद्यालय गतिविधियाँ शामिल है। इन केंद्रो मे गर्भनिरोधक सलाह भी दी जाती है। इस योजना को भारत में 2 अक्टूम्बर 1975 को लान्च किया गया था। आंगनवाड़ी भारत में एक प्रकार की Child and mothers care centere है। आंगनवाड़ी केंद्र एकीकृत बाल विकास सेवा योजना का एक हिस्सा है। जो की केंद्र सरकार की योजना है।

यह भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमो में से एक है। जो बच्चों और स्तनपान करवाने वाली माताओं की सेहत पर केंद्रित है। इस योजना का 90 फीसदी खर्च केंद्र सरकार और बाकी का 10 फीसदी राज्य सरकार वहन करती है, इन आंगनवाड़ी केंद्रो का मुख्य उद्देश्य 0-6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चो के पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति मे सुधार करना है, इन केंद्रो मे बच्चे के उचित मनोवैज्ञानिक शारीरिक और सामाजिक विकास की नींव रखने का काम किया जाता है। इन केंद्रो मे बाल विकास को ध्यान रखते हुए बच्चों को पढ़ाई के लीए प्रेरित किया जाता है। किसी भी गर्भवती स्त्री के पोषण की भी जिम्मेदारी इन केंद्रो पर है। जो कोई भी गर्भवती महिला अपने इलाके के आंगनवाड़ी केंद्र मे अपना नाम दर्ज करवाती है तो उसे सरकार की तरफ से हर हफ्ते मुफ्त राशन मुहैया करवाया जाता है, इसके अलावा यह केंद्र बच्चों को मुफ्त टीकाकरण स्वास्थ्य जांच और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओ मे भी महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते है।

आंगनवाड़ी योजना (2022) का उद्देश्य

मृत्युदर, रोग, कुपोषण को कम करना

0-6 साल के बच्चो की पोषण और स्वास्थ्य स्थिति मे सुधार करना

बच्चे के शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए नींव रखना

माँ को उचित पोषण और स्वास्थय की शिक्षा देना

बाल विकास को बढ़ावा देना

(बाल विकास केन्द्र) 1st Day at Aaganwadi

नई शिक्षा नीति में प्रोजेक्ट विषयों में मेरा एक विषय है- शिक्षुता / प्रशिक्षुता कार्यक्रम। इसके अनुसार विधार्थी को किसी सामुदायिक केन्द्र में जाकर अपना प्रोजेक्ट कार्य प्रारम्भ करना है। तो आंगनवाड़ी में आज मेरा प्रथम दिन था। जिसमें सर्वप्रथम मैंने आँगनवाड़ी कार्यकर्ता जी से महाविधालय द्वारा दिए गए इस प्रोजेक्ट कार्य को उनके आंगनवाड़ी में करने की अनुमती मांगी। तथा उनके द्वारा अनुमति प्रदान की गई तथा तब मैंने जी - 1 सोरी जी 3 फार्म पर उनके आंगनवाड़ी का नाम लिखकर उनसे आज्ञा ली। आज प्रथम दिन मैंने उनसे आंगनवाड़ी के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त की। पता चला कि आंगनवाड़ी एकमात्र केन्द्र है, जहाँ माँ तथा बच्चे दोनों को ही सेहत का ध्यान रखते हुए सामान वितरित किया जाता है। तथा माँ एवं बच्चो दोनो के ही टीकाकरण की भी व्यवस्था है। जो जन्म के समय से लेकर लगभग वर्ष तक के बच्चों के टीके की व्यवस्था है। जो जन्म के समय डेढ़ महिने बाद ढाई महिने, साढ़े तीन महिने, तथा 9 से 12 महीने तक उनको टीके लगाते है, तथा गर्भवती महिला को भी टीका लगाया जाता है। ये आंगनवाड़ी वैसे तो अर्द्धशासकीय है पोलियो की ड्राप बच्चों को आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा पिलाई जाती है। परन्तु टीके लगाने के लीए आंगनवाड़ी में अनुभवी नर्स को बुलाया जाता है। संस्थान केन्द्र (भोपाल) लिए संयुक्त संचालन भोपाल है। ये आंगनवाड़ी वैसे तो अशासकीय है परन्तु इसका खर्चा शासन उठाती है। परन्तु इसे शासकीय घोषित नहीं किया गया है। अतः इसे अर्द्धशासकीय कहा जा सकता है। यहाँ कुल आंगनवाड़ी बच्चों की सं 20-25 है। जिसमें से प्रतिदिन केवल 8-10 बच्चे ही उपस्थित रहते है।

Date ___/___/____
Page 16

(बाल विकास केन्द्र) 2nd day at Anganwadi

बाल विकास केन्द्र (आंगनवाड़ी) में दुसरे दिन सभी बच्चे 10:30 तक केन्द्र (मिनावदा आंगनवाड़ी) मे पहुंचे। बच्चों की संख्या लगभग 8-10 थी। सभी बच्चो को आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा संचालित किया गया, जिसमे मेरे द्वारा उनको सहायता प्राप्त कराई गई। मेरे द्वारा बच्चो को खेलों की सहायता से रंगो का नाम याद कराने का प्रयास किया गया। मैंने उनकी सहायता में अपना पूर्ण योगदान दिया। जिससे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी की सहायिका को मेरा पूर्ण सहयोग एवं मदद मिली।

आज बाल सेवा केन्द्र में टीकाकरण भी किया जाना था, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी लेने के बाद पता चला कि केन्द्रो पर प्रत्येक मंगलवार को टीकाकरण का कार्य संपन्न किया जाता है। यह भी ज्ञात हुआ की आंगनवाड़ी बच्चो को स्वलपाहार भी प्रदान किया जाता है। वर्ष (6 माह - 3 वर्ष) तक के बच्चो को खिचड़ी, हलवा आदि प्रदान किया जाता है। तथा 3-6 वर्ष के बच्चों का Menu के अनुसार भोजन आता है। तथा जानकारी यह प्राप्त हुई कि 4th मंगलवार को टीकाकरण किया जाता है। जिसमे बहुत सारे टीके शामिल है। जिनका वर्णन योजना अथवा क्रिया वाले पृष्ठ पर लिख गया है।

ज्ञात हुआ कि बच्चो के खेल-कूद के जरिए, पढ़ाई करवाई जाती है। तथा किसी विशेष अवसर पर इन बच्चो की प्रतियोगिताएं भी कराई जाती है। जहाँ छोटे-छोटे बच्चो को अपने परिवार के किसी सदस्य के रूप में समझा जाता है। मेरे ख्याल से आंगनवाड़ी का होना समाज के लिए बहुत आवश्यक है।

(बाल विकास केंद्र) 3rd day at Aaganwadi

बाल विकास केन्द्र आंगनवाड़ी मे आज दिनांक 18/04/2023 को सभी बच्चे 10:30 तक केन्द्र में उपस्थित हुए। आज के दिन बच्चो की सं. अधिक नहीं थी बच्चो की सं. लगभग 8 थी। जिससे सभी बच्चों की उम्र लगभग 3-4 वर्ष थी। आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा बच्चों को केन्द्र पर लगाया जा रहा था, जिसमे मैंने उनका पुर्ण योगदान दिया था।

आज मैंने बच्चों को उनकी पुर्ण शिक्षा में सहायता करते हुए आंगनवाड़ी सहायिका की सहायता करी। आंगनवाड़ी केन्द्र प्रत्येक बच्चे के पोषण अथवा संतुलित आहार को ध्यान मे रखते हुए उन्हे उनके घर के लीए भी खाद्यान्न प्रदार्थ दिए जा रहे थे। गर्भवती महिला का भी पुर्ण ध्यान रखते हुए पौष्टिक आहार प्रदान किया जाता है। उसके घर के लीए भी THR दिया जाता है। पुछने पर पता चला कि इस आंगनवाड़ी के परियोजना अधिकारी भी है। आंगनवाड़ी एकमात्र ऐसा केन्द्र है जहाँ से (जन्म से 6 वर्ष) तक के बच्चों का पौष्टिक आहार THR पोषण उपयुक्त सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। जानकारी प्राप्त करते हुए अब बात उनके वेतन पर आई। तथा जहाँ से उनको नियुक्त कराया जाता है। तो हमने ये बात आंगनवाडी सहायिका से पुछी। उन्होंने बताया कि उनकी ट्रेनिंग हुई, उसके बाद उन्हे नियुक्त किया गया, ट्रेनिंग थोड़ी कुछ 7-8 दिन थी। तथा पता चला कि आंगनवाडी सहायिका जी को प्रतिमाह 5000 रु. वेतन मिलता है। तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को प्रतिमाह रु. 100000 वेतन मिलता है तथा फिर यह तृतीय दिन भी सभी बच्चों के स्वल्पाहार के साथ संपन्न हुआ।

4 th day at Aaganwadi

आज आंगनवाड़ी में बच्चों की सं. अधिक थी तथा सभी बच्चे स्थानीय थे। आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यकर्ता श्रीमती कैलाश परमार तथा आंगनवाड़ी सहायिका जी ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। आंगनवाड़ी केन्द्र पर बच्चे की ऊँचाई तथा वजन का भी मापन किया जाता है हमने वहाँ पर उपस्थित बच्चों को स्वयं का परिचय देना भी सिखाया जो कि स्कूल से पहले की पूर्व शिक्षा के लिए अति आवश्यक है, इससे बच्चों को स्कूल में प्रवेश लेते समय बहुत अधिक लाभ मिलेगा। तथा बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा मेरे विचार से आंगनवाड़ी केंद्र एकमात्र ऐसा केंद्र है। जहां बच्चों तथा माँ दोनों का ध्यान रखा जाता है। आंगनवाड़ी में निम्न सामुदायिक कार्य सम्मिलित है बच्चों को विभिन्न प्रकार का मसला हुआ भोजन खिलाना, बच्चों के लीए खाना बनाते और खिलाते समय स्वच्छता का ध्यान रखना। ऊपरी आहार के साथ स्तनपान भी कराना, बच्चा ठीक से बढ़ रहा है, यह सुनिश्चित करने के लीए हर माह बच्चे का नियमित रूप से वजन और हाइट बढ़ाना।

आंगनवाड़ी का मुख्य उद्देश्य 0-6 वर्ष के आयुवर्ग के बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार करना है आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा पता चला कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वाली पोस्ट के लिए 12 th पास होना आवश्यक है, तथा सहायिका की पोस्ट के लीए 5 th होना अति आवश्यक है। परियोजना अधिकारी तथा सुपरवाइजर मेडम है। तथा मिनावदा के आंगनवाड़ी केंद्र का जहां से मार्गदर्शन किया जाता है। वह क्षेत्र (उज्जैन फाटक रोड) Transport में है।

Date __/__/____
Page 19

(बाल विकास केन्द्र) 5 th day of Aaganwadi

आंगनवाड़ी केंद्र (मिनावदा) में आज के दिन सभी बच्चों की सं. लगभग 8-10 थी। जिसमें सभी बच्चे 6 से कम वर्ष के ये अधिकांश बच्चे स्थानीय होते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र में सभी बच्चे स्थानीय होते हैं। आंगनवाड़ी केंद्र 10 बजे खुला तथा मैं वहाँ 10:30 पर गई थी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने श्रीमती केलाबाई परमार जी ने सभी बच्चों की गणना की तथा अपने रजिस्टर्ड में सभी का नाम लिखा। तथा सारी गतिविधियाँ पिछले 4 दिनों की जैसी ही थी। तथा आज कोई विशेष अनुभव प्राप्त नहीं हुआ है।

6 th day at Aaganwadi

(बाल विकास केंद्र)

आज मेरे अवलोकन कार्य का छठा दिन था जो कि अत्यंत अच्छा था, आज बच्चों की सं. बहुत अधिक थी। आंगनवाड़ी में उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं का पता चला जो कि 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों का टीकाकरण समस्त गर्भवती स्त्रियों के लिए प्रसव पूर्व देखभाल और टीकाकरण 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अनुपूरक भोजन। गर्भवती और शिशुओं की देखभाल करने वाले स्त्रियों को अनुपूरक भोजन 15 वर्ष से 45 वर्ष के आयुवर्ग की सभी महिलाओं के लिए पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, सभी का ज्ञान प्राप्त हुआ। वह सभी जानकारी हमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से मिली। तथा आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा भी पूर्ण सहयोग मिला, तथा ज्ञात हुआ कि आंगनवाड़ी में जन्म से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण मुफ्त में कराया

जाता है। तथा मिड डे मील की भी सम्पूर्ण व्यवस्था है तथा ये मील भी सरकार द्वारा प्राप्त करवाया जाता है।

(बाल विकास केंद्र) 7 th day at Aaganwadi

आज दिनांक 24/04/2023 को मेरा आंगनवाड़ी (सामुदायिक केंद्र) में 7 वां और अंतिम दिन था। जिसमें मुझे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मैम से अपने feedback forum पर तथा अन्य फॉर्म पर हस्ताक्षर तथा मुहर लगवानी थी। तो आज मैंने सर्वप्रथम मैम से उस पर sign करवाए तथा feedback forum को भरवाया। तथा आज भी मैंने अपने अवलोकन कार्य को चालू रखा गया सभी बच्चों को उनका ज्ञान बढ़ाने में उनकी सहायता करी। फलों को दिखाकर अंग्रेजी तथा हिन्दी में उनके नामों को बच्चों द्वारा बताया गया।

जिससे अत्यधिक बच्चों का नाम प्राप्त हुआ तथा अत्यधिक बच्चों को कुछ कुछ सहायता मिली। जिससे बच्चों का विकास होगा। तथा बच्चों का अत्यधिक आत्मविश्वास मिला। सभी सभी बच्चो का एक Task दिया जिसमें उनमे से किसी भी बच्चे को उत्कृष्ट एक song पर dance करना था जिसमें 3-4 बच्चों ने Task complete किया। तथा सभी बच्चे बहुत खुश हुए हैं। फिर सभी बच्चों का भोजन आया तथा सभी ने भोजना किया तथा भोजन करके सभी बच्चे अपने अपने घर को आए तथा बच्चों को उनके घर छोड़ने पर आंगनवाड़ी सहायिका ने पूर्ण सहायता की।

Date / /
Page 24

आंगनवाड़ी के अनुप्रयोग →

प्रत्येक मॉड्यूल का अलग अलग उद्देश्य है। परिवार प्रबंधन अपने आंगनवाड़ी केन्द्र के पोषक क्षेत्र में रहने वाले सभी परिवारों के सदस्यों महिलाओं एवं बच्चों के बारे में सूचनाओं का संग्रहण करे। इन सूचनाओं का रखरखाव करे। एवं इन्हे अद्यतन करे। दैनिक पोषाहार से 3 साल की आयु के बच्चों की दैनिक उपस्थिति दर्ज करे। आंगनवाड़ी केंद्रों का मुख्य प्रयोग ग्रामीण माँ और बच्चों की देखभाल करना तथा बच्चों का मानसिक विकास करना भी है।

भविष्य की योजनाएँ →

आंगनवाड़ी क्षेत्र में विद्यार्थी अपने भविष्य को लेकर योजनाएँ भी बना सकती है। विद्यार्थी आंगनवाड़ी में समाज के एक स्वरूप को देखता है। विद्यार्थी को अपने जीवन में क्या करना है तथा क्या नहीं करना है। अपने जीवन में क्या बनना है तथा किस प्रकार कार्य करना आदि अपने भविष्य को लेकर कार्य करने वाली विधियों पर ध्यान देता है। बालिकाएँ आंगनवाड़ी क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकती है। आंगनवाड़ी क्षेत्र में कार्य करती है। बालिकाएँ आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर सकती है। तथा जो विद्यार्थी शिक्षुता कार्यक्रम करता है। वह आंगनवाड़ी में जो कमियाँ है तथा जो कार्यक्रम नहीं हो रहे है उन कार्यक्रम को करने की कोशिश करना तथा आंगनवाड़ी में जो बच्चे पढ़ाई कर रहे उन बच्चों के भविष्य के बारे में उन्हें समझाना। बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा देना तथा भविष्य की योजना बनाना आंगनवाड़ी क्षेत्र की प्रमुख योजना होती है।

जोर दिया जाता है। आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ वर्ष के बच्चों का भी टीकाकरण आंगनवाड़ी क्षेत्र 1-6 में किया जाता है। आंगनवाड़ी क्षेत्र को चलाने से सरकार को यह फायदा हुआ है की ऐसे छोटे ग्रामीण क्षेत्र जो शहर से अलग है। वहां के लोगों को आंगनवाड़ी के माध्यम से सभी जानकारी प्राप्त हो जाती है। गाँव की महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण गांव में ही हो जाता है। आंगनवाड़ी में बच्चों के बाल-विकास पर ध्यान दिया जाता है। जिससे की ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी समाज में आगे बढ़ सके।

आंगनवाड़ी शिक्षुता / प्रशिक्षुता के पश्चात होने वाले ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि →

मुझे आंगनवाड़ी में अपना यह परियोजना कार्य करने का अनुभव बहुत अधिक पसंद आया। मैंने यहां देखा की किस प्रकार निः स्वार्थ भाव से समाज की सेवा की जाती है। समाज में किस प्रकार अपने अनुभव को बांटा जाता है। मैंने अपने इस 7 दिन के कार्यकाल के अनुसार यह ज्ञान प्राप्त किया की किस प्रकार अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है। किस प्रकार एवं कितनी मात्रा में टीकाकरण किया जाना है। किस प्रकार हमारे शरीर को पोषण की आवश्यकता होती है। आंगनवाड़ी में मैंने यह भी ज्ञान प्राप्त किया की किस प्रकार छोटे बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाया जाता है। तथा उनको अपनी पढ़ाई के प्रति रुचि उत्पन्न कराई जाती है। किस प्रकार आंगनवाड़ी में बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है। तथा किस प्रकार बच्चों को अपने खेल में ही पढ़ाई करवायी जाती है। मुझे आंगनवाड़ी से अपने ज्ञान व कौशल में वृद्धि का अनुभव हुआ।

लक्षित प्रतिफल आंगनवाड़ी क्षेत्र का →

हमे अपने भविष्य मे पढ़ाई के साथ - साथ सीखना भी जरूरी है। हमारे जीवन मे सिर्फ पढ़ाई से काम नहीं चलता है। हमे पढ़ाई के साथ - साथ अपने जीवन मे अपने आस - पास के क्षेत्रों का भी ज्ञान होना आवश्यक है। हमे आंगनवाड़ी अपने आस - पास हो रहे कार्यों का अध्ययन कराने मे सहायता करती है।

गंभीर कुपोषित बच्चों को रुपये 12.00 प्रति बच्चा प्रतिदिन के मान से 20-25 ग्राम प्रोटीन एवं 800 कैलोरी युक्त पोषण आहार तथा गर्भवती / धात्री माताओ एवं किशोरी बालिकाओ को रुपये 9.50 प्रति हितग्राही प्रतिदिन के मान से 18-20 ग्राम प्रोटीन एवं 600 कैलोरी युक्त पूरक पोषण आहार आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से दिये जाने का है।

आंगनवाड़ी का 0-6 साल के बच्चों की पोषण और स्वास्थ्य स्थिति मे सुधार करना। बच्चे के शारीरिक और सामाजिक विकास के लीए नींव रखना। मां को उचित पोषण और स्वास्थ्य की शिक्षा देना। बाल विकास को बढ़ावा देना।

आंगनवाड़ी क्षेत्र से प्राप्त प्रतिफल →

आंगनवाड़ी एक सामाजिक संस्था है जो समाज के लीए कार्य करती है। आंगनवाड़ी एक बाल विकास केन्द्र है। मुझे आंगनवाड़ी मे अपना यह परियोजना कार्य करते समय यह अनुभव हुआ की आंगनवाड़ी एक ऐसी संस्था है जो महिलाओ एवं बच्चों की सुविधा के लीए बनाया गया है। सरकार द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र को चलाने से यह समाज को फायदा हुआ की आंगनवाड़ी मे बच्चों के विकास पर विशेष

आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाता है। तथा बच्चों को खेल - खेल में पढ़ाया जाता है। तथा बच्चों के पोषण एवं आहार तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है।

तकनीकी विवरण →

आंगनवाड़ी में ~~अबके~~ मैंने अपने इस शिक्षुता / प्रशिक्षुता कार्यक्रम के अंतर्गत देखा की यहां अनेक तकनीकी जैसे यूट्यूब, गूगल, ट्वीटर आदि तकनीको का प्रयोग बच्चों को खेल - खेल में पढ़ाने तथा उनको बाल - विकास पर ध्यान दिया जाता है। तथा अनेक तकनीकों का प्रयोग किया जाता है।

कार्य - प्रणाली →

आंगनवाड़ी की कार्य प्रणाली अत्यंत सरली सरल एवं सुगम होती है। आंगनवाड़ी की सहायता में कार्यकर्ता एवं सहायिका अपना कार्य व्यवस्थित ढंग से करवाती है। तथा इनका कार्य निम्न है।

1) आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं का व 0-6 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण किया जाता है।

2) आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान दिया जाता है।

3) आंगनवाड़ी में बच्चों के पोषण, आहार व स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है।

4) आंगनवाड़ी में बच्चों को खेल - खेल में पढ़ाया जाता है। तथा उनको स्कूली पूर्व शिक्षा दी जाती है।

~~ई- मेल का महत्व~~

आंगनवाड़ी का उद्देश्य →

आंगनवाड़ी का मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा करना है। आंगनवाड़ी ग्रामीण क्षेत्र में संचालित एक ऐसी संस्था है। जो ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं व बच्चों के विकास का केंद्र है। आंगनवाड़ी छोटे बच्चे जो अभी विद्यालय जाने की उम्र में नहीं है। उन बच्चों के शिक्षा का केन्द्र है। आंगनवाड़ी ग्रामीण क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं उनका और उनके बच्चों का ध्यान रखने वाले एक केन्द्र है। आंगनवाड़ी के उद्देश्य निम्नलिखित है:-

1. आंगनवाड़ी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। आंगनवाड़ी ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य निरिक्षण केंद्र है।

2. आंगनवाड़ी में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का भी टीकाकरण किया जाता है।

3. आंगनवाड़ी एक बाल- विकास केंद्र है।

4. आंगनवाड़ी कुपोषण बच्चों की सहायता एवं बालिकाओं के पढ़ाई कराने वाली एक संस्था है। आंगनवाड़ी में सभी प्रकार की संपूर्ण जानकारी दी जाती है।

आंगनवाड़ी की प्रविधि →

आंगनवाड़ी की प्रविधि का अर्थ है। आंगनवाड़ी का कार्य करने की विधि। आंगनवाड़ी में कार्य करने की विधि सरल एवं सहज है। आंगनवाड़ी में बच्चों के बाल- विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

निष्कर्ष →

शिक्षण / प्रशिक्षण एक लक्ष्य की पहचान की आवश्यकता पर विचार करता है। और प्रत्येक व्यक्ति सामुदायिक कार्यों के रूप मे अपने आस - पास के भौतिक वातावरण को समझकर उसके साथ साम्य स्थापित कर सकता है। नया सामाजिक और सामुदायिक भावना को समझ सकता है।

समाज के सभी वर्गों की देखभाल करना उन्हे उद्देश्यपूर्ण कार्यों हेतु संगठित करना सुविधाहीन वर्ग की विशेष रूप से देखभाल करना। विकास की सम्पूर्ण प्रक्रिया की देखभाल करना। असमानताओ को कम करने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ने वाले निर्णय लेने मे मदद करनी चाहिए।

Complete.....

आभार

सर्वप्रथम मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय का आभार व्यक्त करती हुँ। हमारे महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य श्रीमान डॉ पी मार कुर रेड्डी जी ने मुझे यह कार्य करने की अनुमति प्रदान की तथा साथ ही साथ मेरी परियोजना एवं अध्ययन से संबंधित मेरी जिम्मेदारी भी ली। जिसके लीए मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय का हृदय से आभार व्यक्त करती हुँ।

इसके साथ ही मैं अपने महाविद्यालय के निर्देशक शिक्षक डा. का भी आभार व्यक्त करती हुं। जिन्होंने इस परियोजना कार्य को करने में मेरा पूर्ण मार्गदर्शन किया एवं इस परियोजना से संबंधित जानकारी को हमे सुव्यवस्थित समझाया। साथ ही मैं इस महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगणों का धन्यवाद करती हुं। जिन्होंने मेरे इस परियोजना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

आँगनवाडी संस्था के प्रमुख कार्यकर्ता श्रीमती कैलाश परमार जी का अत्यधिक आभार व्यक्त करती हुं। जिन्होंने इस अवलोकन कार्य को करने में सफलता प्राप्त करवाई तथा मेरा पूर्ण सहयोग प्रदान किया। तथा मेरे इस शिक्षुता / प्रशिक्षुता परियोजना को सफल बनाने एवं भविष्य की योजना बनाने में मेरी सहायता की। अन्त मे अपने सहपाठी तथा परिजनों का आभार व्यक्त करती हुं। महाविद्यालय द्वारा प्राप्त इस अत्यधिक आवश्यक प्रोजेक्ट (अवलोकन) के कार्य करने की अनुमती दी तथा सफलता प्राप्त करवाई।

संस्था कार्यकर्ता हस्ताक्षर → [signature]
संस्था सहयोगी हस्ताक्षर → [signature]
निर्देशक शिक्षक हस्ताक्षर → दिलीप
अभिभावक हस्ताक्षर → दिलीप
छात्रा हस्ताक्षर → Ravina
दिनांक → 06/07/2024

आँगनवाड़ी कार्यकर्ता [illegible] 105

नाम → रविना पाटिदार
कक्षा → B. Com I year

FIELD PROJECT

field Project REPORT

For partial fulfillment of degree of B.Sc.

(2022-2023)

NAME OF STUDENT= Manish, Monika, Nasrin.

CLASS= B.Sc I st year.

ROLL NO.= 2237-4075

NAME OF CENTER= Balaji Automobiles.

NAME OF SUPERVISOR

Dr. K.C. Mishra

(Department of Physics.)

Dr. K C Mishra

(Govt. College Nagda)

Affiliated to

(VIKRAM UNIVERSITY)

प्रारूप – **G1**

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)

ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र. / 03 / अका. / 10/02 / 2023 नागदा, दिनांक

प्रति,

दीपक कुमार प्रजापत

विषयः– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्न – प्रारूप – **G2**

प्राचार्य के हस्ताक्षर 14/2

सील............ शासकीय महाविद्यालय नागदा 456335

प्रारूप – G3

कार्यालय प्राचार्य शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,नागदा,जिला उज्जैन (म.प्र.)

ई–मेल : gc238238@yahoo.com

क्र. / 03 / अका. / 10/09/ 2023 नागदा, दिनांक

प्रति,

दीपक कुमार प्रजापत

....

विषयः– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद

संलग्न –

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर........ प्राचार्य 14/2

सील.................... शासकीय महाविद्यालय नागदा 456335

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

---

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... जय बजरंग ऑटो गैरेज ऑटो पार्ट्स

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... अर्द्धशासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... महिदपुर रोड नागदा जं.

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... 4 बेक मैकेनिक

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है .... 10 – 12

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... हाँ सम्भावना है।

7. अन्य विशेष जानकारी .... –

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

दीपक प्रजापति

हस्ताक्षर एवं दिनांक

जय बजरंग ऑटो पार्ट्स
महिदपुर रोड, नागदा जं.

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : मनिष अनकिया, अमित पँवार, विजय पाल, नसरीन, मोनिका

महाविद्यालय का नाम : शासकीय महाविद्यालय नागदा

कक्षा: - B.Sc. Ist year.

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	B	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	B	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	B	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक :

स्थान : नागदा

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर दीपक प्रजापती

नाम : दीपक कुमार प्रजापती

पदमुद्रा (सील)

जय बजरंग ऑटो पार्ट्स
महिदपुर रोड, नागदा जं.

प्रोजेक्ट (परियोजना) कार्य का प्रथम प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित, 500 शब्दों में)

1. परियोजना कार्य का परिचय एवं क्षेत्र

इस बिंदु के अंतर्गत विद्यार्थी अपनी परियोजना का प्रारंभिक परिचय प्रस्तुत करेंगे जिसमें कार्य का वृहद क्षेत्र, आवश्यकता एवं विषय वस्तु की परिकल्पना का विवरण दिया जायेगा।

2. परियोजना कार्य की योजना

प्रस्तावित कार्य की रूपरेखा तथा किस प्रकार उसे संपन्न किया जाना है, इसकी जानकारी प्रस्तुत करें।

3. विद्यार्थियों में कार्य विभाजन

समूह में कार्य करने वाले विद्यार्थियों के मध्य परियोजना से सम्बंधित कार्यों का समान तथा स्पष्ट विभाजन होना अनिवार्य है। कार्य योजना के साथ साथ इस कार्य विभाजन का उल्लेख भी प्रारंभ में ही किया जावेगा जिससे विद्यार्थियों के द्वारा संपन्न कार्य की पृथक पृथक मूल्यांकन के समय स्पष्टता हो सके।

4. प्रस्तावित कार्यस्थल / संस्थान का विवरण (जहाँ कार्य किया जाना है)

परियोजना कार्य / फील्ड सर्वे इत्यादि का कार्यस्थल, जहाँ इसे पूर्ण किया जाना है, अथवा जिस संस्थान या स्थल का प्रारूप समक्ष रखकर योजना बनाई गई है, उसका पूर्ण विवरण दें। विषय की आवश्यकता के अनुरूप संस्थान के अंतर्गत कार्यों का विवरण एवं परियोजना कार्य से सम्बंधित कार्यप्रणाली का विवरण देना उचित होगा।

5. उद्देश्य तथा प्रासंगिकता

प्रस्तावित परियोजना के लक्ष्य संक्षिप्त और SMART* होना चाहिए.

*S-Specific (विशिष्ट/ स्पष्ट), M-Measurable (मापन योग्य), A-Achievable (प्राप्त/पूर्ण करने योग्य), R-Realistic/ Relatable (वास्तविक/ प्रासंगिक), T-Time Bound (समयबद्ध)

- यहाँ विशिष्ट होने से अभिप्राय है कि परियोजना कार्य के पीछे स्पष्ट निश्चित उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित हों। मापन योग्य का अर्थ है कि उद्देश्य को इस प्रकार से परिभाषित किया जाए कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रस्तावित उद्देश्य की पूर्ण / आंशिक पूर्ति हो सकी है अथवा नहीं। साथ ही उद्देश्यों की वास्तविक प्राप्ति की सुनिश्चितता संभावना भी अवलोकनीय हो। परियोजना कार्य के उद्देश्य को कितने समय में, किस प्रकार से पूर्ण किया जा सकेगा इसका भी कथन कार्ययोजना में होना चाहिए।

परियोजना की उपयोगिता, वास्तविक जीवन में प्रासंगिकता और इसके अनुप्रयोग के [illegible]

1) Introduction and Scope of project work :) A petrol engine is an internal combustion engine designed to run on petrol. Petrol engines can often be adapted to also run on fuels such as liquefied petroleum gas and ethanol blends. Petrol engine is different from diesel engine. Petrol engine genral run by the sparking in the cylinder. The petrol engine used in many vechicle like car, & bick. In bick genraly It have 1 and 2 cylinder which have different type of stocks. Like 2 stock & 4 stock.

2) Plan of the project work :) Our clg. gives project on the field work project, whose topic is field on Petrol engine. so we have to go the automoblie shope.
Firstly we made a group of 3 member & divides the work in each other. we went to the garaj and request to the owner of the automoblie shop. we convence him to help us in completing the work of project i.e [Petrol Engine work]. so he got agreed to help in completing our projelt. he make us understand the concept of that how the petrol engine work in bicke and other vichicle.

3) Distribution of work among Student :) we have divided the works related to project among our group members. By division of work" we are able to

Date:
P. No:

Complete our project within the given time:-

we hade the group of 3 member.
1) Manish 2) Amit 3) Vijay Pal.

1) Manish ⇒ Manish hand work to know all the part ofd petrol Engine and describe other member of grop.
2) Amit ⇒ Amit had work to know the Concept of petrol engine that it how to work.
3) Vijay pal ⇒ Vijay pal had work to take a picture of all the parts of wok & work done by us.

4) Details of the concerned site (where the work is to be done)
The place where we went is Located at E in front of Bank of Baroda. The name of the garaj is [BALAJI AUTOMOBILE]. The owner of the garaj is Deepak Kumar prajapat. He has been working for many year that's why he has a lots of exprience.

5) objective of Project:-
The objective of the project was to know that how the petrol Engine work:
The aim of the project are to allow the students to demonstrate abilities and skills required that how the petrol Engine work.

प्रोजेक्ट (परियोजना) कार्य का द्वितीय प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित, 500 शब्दों में)

---

1. परियोजना कार्यप्रणाली (वर्क फ्लो)

   परियोजना कार्य में की जाने वाली कार्यवाही, चरण और उनके क्रम के बारे में इस रिपोर्ट में लेखन किया जाए ।

2. जानकारी संग्रह / फील्ड सर्वे का विवरण

   परियोजना सम्बंधित सर्वे, आवश्यक जानकारी संग्रह, प्रक्रिया की जानकारी आदि ।

3. साहित्य समीक्षा

   इस परियोजना से सम्बंधित पूर्व कार्य, तकनीकी पक्ष, साहित्य, आदि का प्रमाणिक लेखा जोखा प्रस्तुत करें ।

4. कार्य विभाजन के अनुरुप कार्य की प्रगति (पृथक-पृथक)

   समूह में कार्य करने वाले विद्यार्थियों के मध्य परियोजना की विभिन्न कार्यों का विभाजन किया गया है, अतएव इस द्वितीय रिपोर्ट में प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा अब तक किये गए कार्यों का स्पष्ट ब्यौरा यहाँ अपेक्षित है ।

Date
P. No.

1. Project Methodology [Work flow]

For completing project work we went to Balaji Automobile
We requested him to completing our project and he agreed to taught us how the petrol engine work
Then we came to know what is shape of engine
We opened the engine with help of him and we knew the part of engine by which it work.
These was the steps to which we followed to complete our project.

2. Details of information collection

After given a project by our college we went to survey some Automobile Shop.
To We went to some shop in which one shop owner was agreed to help us in completing work.
It is difficult to open the petrol engine for new person. If there is some kind of problem in engine so we will have to change the parts in which problem. They also tend to emit lesser pollutants if maintained well.
When a petrol enter in a cylinder by which the piston which the cylinder have get compressed B Piston is attached to crank through piston rod The Crank get power to piston by which the petrol get compressed. The sparking plug get fire in cylinder same process is happening again and again in engine in this way petrol engine work.

Date:
P. No:

Literature Review

Tadala akhil, K. naresh, Abdul Khurshid, Purushotham anil kumar had represent, the thermal and the stress distribution of the piston which is intialized with four different materials by using the COUPLED field analysis by finite element method. The parameters used for the stimulation are the temperature as thermal conditional and the force or the pressure applying on the piston crown.

Progress of the work according to work divison

All work distributed in each other. Manish had work to know all the part of petrol engine. Petrol engine has many parts Spark plug, Crankshaft, Piston, Connecting rod, Camshaft, cylinder head, Piston ring, flywheel, cylinder, Combustion chamber, Crank, Sparking plug these all are the parts of petrol engine. Amit had work to know the concept of petrol engine that it how to work.

In a spark ignition engine, the fuel is mixed with air and then inducted into the cylinder during the intake process. After the piston compresses the fuel-air mixture, the spark ignites it, causing combustion. The expansion of the combustion gases pushes the piston during the power stroke. These all the working of petrol engine and how it work.

परियोजना कार्य का तृतीय प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित 500 शब्दों में)

1. विद्यार्थी द्वारा सम्पादित कार्यों का विवरण (प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा पृथक-पृथक)

परियोजना में कार्य करने वाले समूह प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा [illegible] कार्यों में से अब तक किये गए कार्यों का विवरण विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाए।

2. जानकारी / आंकड़ों का विश्लेषण

संकलित जानकारी / विश्लेषणात्मक आंकड़ों का सांख्यिकीय एवं तकनीकी विधियों [illegible] का प्रयोग।

3. विश्लेषण की प्रविधि / अनुप्रयुक्त तकनीक

जानकारी एवं परिणामों को विश्लेषण करने की प्रविधि / प्रविधि का चुनाव, [illegible] का पूर्ण विवरण, औचित्य, त्रुटि एवं सीमाओं का विश्लेषण, अपेक्षित परिणामों के सन्दर्भ में तुलना।

4. परियोजना कार्य में आने वाली चुनौतियां

परियोजना कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों एवं अन्य-अपेक्षित परिणाम होने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी एवं उनसे उत्पन्न परिस्थितियां, उनके समाधान आदि का ब्यौरा।

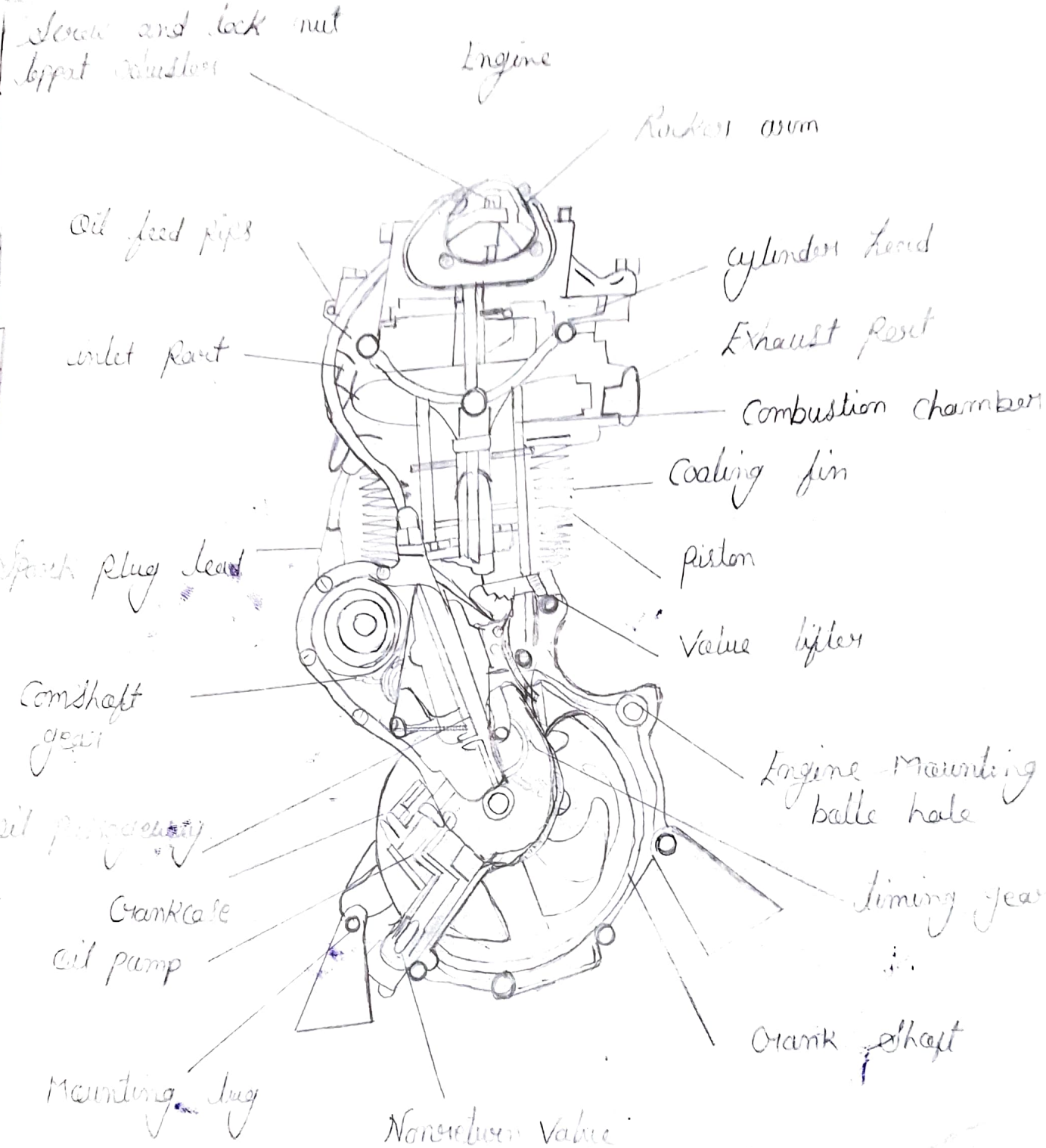

Motorcycle En...

Date
P. No.

1) Description of the work completed by the student
Manish had worked to know all the parts of the engine in doing process he came to know some important parts of engine as well as importance of engine. sparking plub, piston, crank, cylinder, piston rod etc these some are the parts of engine.
Amit had worked that how the petrol engine work. In a spark ignition engine, the fuel is mixed with air and then inducted into the cylinder during the intake process. After the piston compresses the fuel-air mixture, the spark ignities it, causing combustion.
Vijaypal had worked
It was the work of Vijaypal to click all the photo when we were doing work. So, he did his work very well.

2. Analysis of information / data
In analysis of information and data the first thing we should remember that we can not easily open the petrol engine and also how it is work. It is better than diesel engine and it is cheaper. In Petrol engine has two types of stokes (1) four stokes engine (2) two stoke engine. There are three types of engine. (1) So, we but we had project on petrol engine so, we were working of petrol engine. The ratio of petrol engine is 8:1 - 9:1. We analysis in petrol engine 3 cylinder engine is much more fuel efficient compared to a 4 cylinder engine of the same size.

Date:
P. No:

3 Technique of analysis / applied Techniques
Efficiency of petrol engine is inversely influence by it compression ratio keeping the value of index constant. By this we can see different variations by manipulating compression ratio. As compression ratio is related swept volume and clearance volume of cylinder and the fact is that swept volume is constant, so to achieve our objective, variation of swept volume is key work here. This variation has been done by using Variable Compression Ratio Single cylinder head is 4 - Stroke engine i.e. In this, an different parameters auxiliary head on the cylinder head is provided to vary.

Date:
P. No:

- A petrol engine is an internal combustion engine designed to run on petrol. Petrol engine can often be adapted to also run on fuels such as liquefied petroleum gas and ethanol blends. Petrol engine is different from diesel engine. Petrol engine general run by the sparking in the cylinder. The petrol engine used in may vehicle like car, & bick. In bike generally it have 1 and 2 cylinder which have different type of stocks. like 2 shocks & 4 shocks.
- Our college gives project on the field work project, whose topic is petrol engine, So, we have to go the automobile shop. firstly we made a group of 3 member & divides the work in each other. we went to the garaj and request to the owner of the automobile shop. we convence them to help us in completing the work of project i.e Petrol Engine work. So, he got agreed to help in completely our project. He make us understand the concept of that how the petrol engine work. in bike and other vehicle.
- We have divided the works related to project among our group members. By divison of work". We are able to compete our project within the given time.
- We have group of 3 member -

(1) Manish (2) Amit (3) Vijay Pal.

Date:
P. No:

- Manish had work to know all the part of petrol engine, and Amit had work to know the concept of petrol engine that it how to work, Vijay pal had work to take a picture of all the parts of work and work done by us.
- The place where we went is located at front of Bank of Baroda. The name of the garaj is [BALAJI AUTOMOBILE]. The owner of the garaj is Deepak Kumar prajapat. He has been working for many year that is why he has a lots of experince.
- The objective of the project was to know that how the petrol engine work :- The aim of the project are to allow the students to demonstrate abilities and skills required that how the petrol Engine work.
- Petrol engine is cheaper than diesel engine. In this engine two type of stocks is used. four or two types stocks. four stock engine is less power than two stock engine. In two stock engine petrol is much used to run it.
- In four stock engine those stocks is applied is that ① Intake stock, ② Compression stock ③ Power stock ④ Exhaust stock.
- In two stock engine those stock is applied that is ① power stock ② ~~Com~~ Exhaust stock due to these types of stocks two stock engine is more power than two stock engine.

- For completing project work we went to Balaji Automobile.
- We requested him to completing our project and he agreed to taught us how the petrol engine work.
- Their we came to know what is shape of engine.
- We opened the engine with the help of him and we knew the part of engine by which it work.
- These was the steps which we followed to complete our project.
- After given a project by our college we survey some Automobile shop. We went to some shop in which one shop owner was agreed to help us in completing work.
- It is difficult to open the petrol engine for new person. If there is some kind of problem in engine. So, we will have to change the parts of the engine in which problem.
- They also tend to emit lesser pollutants if maintained well. When a petrol enter in a cylinder by which the piston which the cylinder have get compressed. Piston is attached to crank through piston rod. The crank get give power to piston by which the cylinder have get give power to piston by which the petrol get compressed.
- The sparking plug get fire in cylinder. Same process is happening again and again in engine in this way the petrol engine work.

Date:
P. No:

- Tadala akhil, Knaresh, Abdul Khurshid, Purushotham anilkumar had represent, the thermal and the stress distribution of the piston which is intialized with four different materials. by using the coupled field analysis by Finit element emethod. The parameters used for the stimulation are the temperature as thermal conditional and the force or the pressure applying on the piston crown.
- All work distributed in each other. Manish had work to know all the part of petrol engine. Petrol engine has many parts Spark plug, Crankshaft, cylinder head, Piston ring, flywheel, cylinder head, Piston ring, Combustion chamber, Crank, Sparking plug these all are the parts of petrol engine.
- Amit had work to know the concept of petrol engine that it how to work. In a Spark ignition engine, the fuel is mixed with air and then inducted into the cylinder during the intake process. After the piston compress the fuel-air mixture, the spark ignities it, causing combustion, The expansion of the combustion gases pushes the piston during the power stroke. These all the working of petrol engine & how it work. That's all about the working of petrol engine. Nobody can easily open the petrol engine. New person didn't without help of other persion.

Manish had worked to know all the parts of the engine in doing process he came to know some important parts of engine as well as importance of engine Sparking plug, piston, crank, cylinder, piston rod etc. These some are the parts of engine. Amit had worked that how the petrol engine work. In a Spark ignition engine, the fuel is mixed with air and then inducted into the cylinder during the intake process. After the piston compress the fuel air mixture, the sparks ignities it causing combustion.

It was the work of Vijaypal to click all the photo when we were doing work. So, he did his work very well.

In analysis of information and data the first thing we should reminber that we can not easily open the petrol engine and also how it is work. It is better than diesel engine and it is cheaper. In petrol engine has two types of stocks engine. There are three types engine. So, but we had project on petrol engine. The ratio of petrol engine is 8:1 - 9:1. We analysis in petrol engine 3 cylinder engine is much more fuel efficient compared to a 4 cylinder engine of the same size. Petrol engine is cheaper than diesel engine. It is used in many vehicles.

Efficiency of petrol engine is inversely influence by it compression ratio keeping the value of index constant. By this we can see different variations by manipulating compression ratio. As compression ratio is related swept volume and clearance volume of cylinder and the fact is that swept volume is constant. So, to achieve our objective, variation of swept volume is key work here. This variation has been done by using variable compression ratio single cylinder head is 4-stroke i.e. In this an different parameters auxiliary head on the cylinder head is provided to vary.

Challenges in working of petrol engine :-

The first challenges we had faced that we had to find the Automobile shop where we can complete our project but we did it easy

The second challenges we had faced that generally we saw that the engine is not spoilage easily so we had to face two or three days for engine and one thing is that we couldn't open engine without any fault.

आभार (Acknowledgment)

नोटः यथा संभव निम्न बिन्दुओं का समावेश करते हुये

i. महाविद्यालय प्राचार्य

ii. शिक्षक निर्देशक

iii. संबंधित विषयक के अन्य प्राध्यापकगण एवं अन्य सहयोगी

iv. बाह्य संस्था के प्रमुख एवं अन्य सहयोगी

v. सहपाठी, परिजन एवं अन्य जिनसे सहयोग प्राप्त किया गया

विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर (दिनांक सहित)
मनीष,	B.Sc I st	22377018	Manish
मोनिका	B.Sc I st		Monika
नसरीन	B.Sc I st		Nasrin

स्थान ...नागदा...

दिनाँक ....

(विद्यार्थी/ समूह का मौलिकता प्रमाणपत्र)

घोषणा पत्र

मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता/करती/करते है / हैं कि यह परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव रिपोर्ट मेरे / हमारे द्वारा किये गये मूल (Original) कार्य पर आधारित है, जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति (Duly acknowledged) उपरांत किया गया है । मैं / हम यह भी घोषणा करते हैं कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री / पाठ्यक्रम हेतु पूर्व / वर्तमान में प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर (दिनांक सहित)

(पर्यवेक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र)

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं .... अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करता / करती हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में, किये गये परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है । यह (महाविद्यालय का नाम ....) में मेरे अनुमोदन के पश्चात् प्रस्तुत की गयी है ।

हस्ताक्षर

निर्देशक

दिनांक ....

स्थान ....नागदा (शासकीय महाविद्यालय नागदा)

PROJECT

COMMUNITY ENGAGEMENT

For partial fulfillment degree of B.A.

(2022-23)

NAME : MONIKA SISODIYA

CLASS : B.A 2ND YEAR

NAME OF CENTER : GRAM PANCHAYAT

NAME OF SUPERVISOR

DR. USHA VERMA MEM

(DEPARTMENT OF ARTS)

(GOVT.COLLEGE NAGDA)

AFFILIATED TO

(VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN)

SUBMIT TO

DR. USHA VERMA MEM

SUBMIT BY

MONIKA SISODIYA

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... जन जाग्रति शीविर

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... शासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... रत्न्याखेड़ी

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 40-50

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 50-100

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... हाँ

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय कला, विज्ञान, वाणिज्य के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक [signature]

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

सरपंच
पंचायत रत्न्याखेड़ा
खाचरौद जिला उज्जैन

Date __/__/____
Page ____

घोषणा पत्र

मैं यह घोषणा करती हूँ कि यह सामुदायिक जुड़ाव रिपोर्ट मेरे द्वारा किये गये मूल कार्य पर आधारित है, जिसमे प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति उपरांत किया गया है। मैं यह भी घोषणा करती हूँ कि यह प्रस्तुत रिपोर्ट वर्तमान मे प्रस्तुत नहीं की गई है।

MONIKA SISODIYA

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं डॉ उषा वर्मा अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करती हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थिओं द्वारा मेरे निर्देशन में किये गये सामुदायिक जुड़ाव कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है। यह शासकीय महा. में मेरे अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत की गयी है।

दिनांक 21-3-23

हस्ताक्षर [signature]

स्थान रन्नयारखेड़ी

निर्देशक

कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मोनिका सिसोदिया कक्षा B.A IInd year ने महाविद्यालय द्वारा सामुदायिक जुड़ाव में दिनांक 06/03/23 से 12/03/23 तक ग्राम रतन्यारवेड़ी में उपस्थित रहकर स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य किया।

मोनिका सिसोदिया अति परिश्रमी समर्पित और परिणामोन्मुखी है उन्होने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते है

कार्यक्रम अधिकारी
डॉ. उषा वर्मा

Date: / / Page no.

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण
1	कार्य शीर्षक एवं क्षेत्र
2	घोषणा पत्र
3	विवरण पत्र
4	निष्कर्ष एवं सारांश
5	अध्याय प्रथम

C-1

1. सामुदायिक जुड़ाव
2. कार्य का विवरण
3. सम्बंधित कार्यस्थल
4. उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

C-2

1. कार्य शीर्षक एवं क्षेत्र
2. योजना का विवरण
3. उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि
4. लक्षित प्रतिफल
5. प्राप्त प्रतिफल
6. निष्कर्ष व सारांश
7. ज्ञान एवं क्षमता में अभिवृद्धि
8. अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष की उपयोगिता

Date___/___/_____
Page__________

सामुदायिक जुड़ाव / सेवा कार्य का क्षेत्र :-

मेरे सहपाठियों एवं महाविद्यालय के प्रबंधन के अधिकारियों के सानिध्य में नागदा स्थित ग्राम इन्ध्याखेड़ी में स्वच्छता से संबंधित अध्ययन किया गया एवं ग्रामवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कराया गया। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं साफ - सफाई से संबंधित, शिक्षा के अवसरों (डीग्री एवं डीप्लोमा) के बारे में भी ग्राम के निवासरथ छात्रों को अवगत कराया गया। स्वच्छता का हमारे सामाजिक विकास पर कितना गहरा प्रभाव है इसके संबंध में ग्रामवासियों को जानकारी दी।

कार्य का विवरण -

ग्राम के अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में आने वाली छोटी - छोटी समस्याओं जैसे रोजमर्रा के कचरे (पॉलिथिन, कागज, गोबर) इत्यादि को कैसे व्यवस्थित करना है। यह ग्रामिणों को समझाया गया। सूखा कचरा अलग और गीला कचरा अलग - अलग डस्टबिन में डालने के लिए ग्रामवासियों को प्रेरित किया गया। ग्रामिणों को रोज के कचरे को कैसे व्यवस्थित करना है यह बताया गया। ग्रामिणों

को बताया गया कि जैविक कचरा जिसमें ऐसा कचरा जो कि आसानी से खाद बन सकता है एवं जिसकी वस्तु से आस - पास के ग्रामवासियों को परेशानी न हो ऐसे कचरे को ग्राम के तीन - चार स्थानो पर उसे एकत्रित करके रखा जा सकता है। जिसकी मात्रा अधिक होने पर या तो उसे बेचा जा सकता है या फिर कोई भी ऐसा व्यक्ति जो उस कचरे को खाद के रूप में उपयोग करना चाहता है उसे दिया जा सकता है। इसके अलावा ग्रामिण क्षेत्रो की एक मुख्य समस्या पानी की निकासी होती है। ऐसी स्थिति में हर ग्रामीण घरों में जल निकासी की सही व्यवस्था होना जरूरी है। " न तो घर में और ना ही ग्राम में " किसी जगह पर गढ्ढा पानी एकत्रित नहीं होना चाहिए। जिससे डेंगू मलेरिया इत्यादि बीमारियों से बचा जा सकता है।

सम्बंधित कार्यस्थल - संबंधित कार्यस्थल में स्वच्छता से संबंधित कई गतिविधियां

Date __/__/____
Page _____

की जा रही है। जैसे कि साप्ताहिक स्वच्छता, जैविक का उपयोग, वार्मिंग कम्पोस्ट को बढ़ावा इत्यादि योजनाएँ शुरू की जा रही है। ग्राम पंचायत द्वारा समय - समय पर जागरूकता अभियान शुरू किए जा रहे है। विद्यार्थियों को स्वच्छता के बारे में अवगत कराना, उनसे समय - समय पर स्वच्छता के कार्यो में सम्मिलित करना और विद्यालयों में डस्टबिन का उपयोग एवं कचरा डालने की जगह का पुनर्निधारण, पानी इखट्टा होने वाली जगहों पर सूखाने की पहल जिससे वहा मच्छर पैदा ना हो सके और समय - समय पर डी. डी. टी. का छिड़काव मच्छरों की रोकथाम के लिए, तलाब का चौड़ाकरण, जल को संग्रहित करने के बारे में हमें आधिकारियों से जानने का मौका मिला।

उद्देश्य एवं प्रासंगिका -

ग्राम की स्वच्छता की ओर ध्यान देते हुए भविष्य में जगह - जगह पर कलर कोडेड डस्टबिन (नीला - हरा) के उपयोग पर कचरे के पृथकरण के लिए ग्राम के सदस्यों से चर्चा

Date __/__/____
Page ____

की जो कि काफि उपयोगी है। अन्य बड़े शहरों की तुलना में सुविधाओ के अभाव को ध्यान में रखते हुए छोटे स्तर पर इस पहल को शुरू करना जिससे भविष्य में कचरे के निपटारे एवं कचरे को सग्रहित करने के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। जैविक अपशिष्ट का उपयोग करके खाद निर्माण एवं ग्रामिणों को इसके उपयोग को बढ़ावा देना, बड़े पैमाने पर खाद का उत्पादन करके इसे खाद को अन्य शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इसे भेजना / बेचना जिससे ग्राम की अर्थव्यवस्था और मजबुत होगी।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का उद्देश्य दिनांक 02 अक्टूबर 2019 तक स्वच्छ एवं खुले में शौच मुक्त भारत की प्राप्ति करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में संपूर्ण स्वच्छता लाने के लिए वैज्ञानिक ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन पर बल देते हुए सामुदायिक प्रबंधित स्वच्छता प्रणालियों का आवश्यकतानुसार विकास करना चाहिए।

कार्य शीर्षक एवं क्षेत्र -

ग्रामीण रहवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने के साथ - साथ उनको यह बताया गया कि स्वच्छता सभी का कार्य है चाहे वह युवा हो, वृद्ध हो, या बच्चे सबको अपने - अपने स्तर पर अपने आस - पास के स्थानों को स्वच्छ रखना उनकी स्वयं की जिम्मेदारी है। स्वच्छता का अर्थ है सफाई से रहने की आदत। सफाई से रहने से जहां शरीर स्वस्थ रहता है वही स्वच्छता तन और मन दोनो की खुशी के लिए आवश्यक है। "स्वच्छता" सभी लोगो को अपनी दिनचर्या में अवश्य ही शामिल करना चाहिए। महात्मा गांधी ने कहा था " स्वच्छता ही सेवा है"।

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिये बहुत जरूरी है। अपने घर, पालतू जानवर, अपने आस - पास, पर्यावरण, तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सबकी सफाई करनी चाहिए। हमे सदैव साफ स्वच्छ और अच्छे से कपड़े पहनाना चाहिये क्योंकि ये आपके अच्छे चरित्र को दिखाता है।

Date___/___/_____
Page__________

योजना का विवरण - किसी प्रकार गांव को साफ रखें इसकी जानकारी हमारे द्वारा ग्रामवासियों को दी गयी। जैसे नियमित रूप से अपने गांव की सफाई रखें। सड़को पर न थूके। खुले में शौच न करें। मानव मल तथा पशुमल का सुरक्षित निपटारा करें। उन्हें यह समझाया गया की अपने आस - पास के वातावरण को किस प्रकार स्वच्छ रखना है। खुद के साथ पर्यावरण को भी रखे स्वच्छ। सूती कपड़े का या कागज से बना झोला इस्तेमाल करना चाहिए तथा पॉलीथिन का बहिष्कार करना चाहिए। रोजाना फर्श साफ करने के बाद पोछे का पानी (फिनाइल रहित) गमलों व पौधो में डालें। दाल, सब्जी, चावल धोने के बाद इकट्ठा पानी गमलो व क्यारियों में डाले।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि - देश में सार्वभौमिक स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करने के प्रयासों में

Date ___/___/_____
Page _____

तेजी लाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई थी। गौरतलब है कि इस मिशन को दो अलग - अलग मंत्रालयों ग्रामीण क्षेत्रों के लिये पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय और शहरी क्षेत्रो के लिए आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। अभियान को दो भागों में बांटकर देखने का मुख्य कारण यही है कि दोनो क्षेत्रों की अपनी स्वच्छता संबंधी अलग - अलग आवश्यकताएं है, जिन्हे अलग - अलग दृष्टिकोणों की आवश्यकता है।

लक्षित प्रतिफल -

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के तहत बुनियादी ढांचों जैसे कि खाद के गड्ढे सोखने वाले गड्ढे अपशिष्ट स्थिरीकरण तालाब, शोधन संयंत्र आदि का भी निर्माण किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन के इस चरण में घरेलू शौचालय एवं सामुदायिक शौचालय के निर्माण के माध्यम से

Date / /
Page

रोजगार सृजन तथा ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को प्रोत्साहन प्रदान करना जारी रहेगा। यह कार्यक्रम भारत को ठोस और तत्काल अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेगा तथा देश में ग्रामीणों के स्वास्थ्य में पर्याप्त सुधार में मदद करेगा। स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य दिनांक 2 अक्टूबर 2019 तक स्वच्छ एवं खुले में शौच मुक्त भारत की प्राप्ति करना। तथा ग्रामीण क्षेत्रो में जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार लाना है।

प्राप्त प्रतिफल -

शौचालयों की अपलब्धता के कारण 'स्वच्छ भारत अभियान' देश में बालिका शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। स्वच्छता के 'राज्य विषय' होने के बावजूद केन्द्र सरकार द्वारा तैयार व संचालित इस कार्यक्रम से संघीय ढांचा सशक्त हो रहा है। यह अभियान हजारों सालों से चली आ रही

Date / /
Page

खुले में शौच की आदत में परिवर्तन में स्वच्छता को जीवन शैली का अंग बना रहे है।

ज्ञान एवं क्षमता में अभिवृद्धि -

खुले में शौच जाने से महिलाओं में आत्म सम्मान की भावना कम हो जाती है। और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होने लगती है। गांवो में बलात्कार होने का एक मुख्य कारण खुले में शौच जाना भी है। खुले में शौच जाने से प्रदूषण होता है। और वातावरण भी प्रदूषित होता है इन सभी जानकारीयो से ग्रामवासियो को अवगत कराया गया।

निष्कर्ष एवं सारांश -

ग्रामीण इलाको में स्वच्छता से यह निष्कर्ष सामने आया है कि स्वच्छता से वातावरण स्वच्छ रहता है। ग्रामवासी अत्याधिक बिमार नहीं होगे। गांवो को रोज सफाई करने से वहा कम प्रदूषण फैलेगा जिससे वहा बिमारि का खतरा कम होगा।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष की उपयोगिता -

स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास को क्षेत्र और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। हमारे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए साफ सफाई बेहद जरूरी है। अपने आस पास के क्षेत्रो और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरूरी है। पर्यावरण स्वच्छ रहेगा तो मानव जीवन स्वस्थ्य रहेगा। हमें पेड़ो को नहीं काटना चाहिए बल्कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए तथा सभी को वृक्षारोपण के लिए जागरूक करना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति लोगो को जागरूक कर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ लोगो में स्वच्छता का अभाव था उन्हें यह सभी जानकारी देने के बाद यही आशा है कि सभी अपनी एवं अपने आस - पास तथा अपने गांव में स्वच्छता का पालन करेंगे।

PROJECT

COMMUNITY ENGAGEMENT

For partial fulfillment degree of B.A.

(2022-23)

NAME : Anuj Bundela

CLASS : B.A 2ND YEAR

NAME OF CENTER : Ratnakheda

NAME OF SUPERVISOR

DR. Asharam Chouhan Sir

(DEPARTMENT OF ARTS)

(GOVT.COLLEGE NAGDA)

AFFILIATED TO

(VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN)

SUBMIT TO

Dr. Asharam Chouhan Sir

SUBMIT BY

Anuj

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... वन जाग्रति शिविर

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... शासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... र व्यासखेड़ी

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 40-50

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 50-100

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... हाँ

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था/व्याक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय कला, विज्ञान, वाणिज्य के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक [signature]

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

सरपंच
ग्राम पंचायत [illegible]
खानपुर जि. [illegible]

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : अनुज कुडेला

महाविद्यालय का नाम : शासकीय महाविद्यालय, नागदा

कक्षा: बी. ए. द्वितीय वर्ष

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	B	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	B	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

ग्राम पंचायत
ग्राम पंचायत पिपलौदा सा. मा
जनपद पंचायत खाचरौद जि. उज्जैन

दिनांक :

स्थान :

नाम :

पदमुद्रा (सील)

Date __/__/__
Page ____

कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि अनुज बुन्देला कक्षा B.A 2nd year (महाविद्यालय का नाम) स्वामी विवेकानन्द कॉलेज, नागदा द्वारा सामुदायिक जुड़ाव में दिनांक 6-3-23 से 12-3-23 तक इस संस्था में उपस्थित रहकर स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य किया।

अनुज बुन्देला अति परिश्रमी समर्पित और परिणामोन्मुखी है, उन्होंने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट कार्य किया। हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित

स्थान - रुन्याखेड़ी

दिनांक - 12-3-23

सरपंच
ग्राम पंचायत रुन्याखेड़ी

Date:
P. No:

वचन पत्र

मैं अनुज बुन्देला पिता गोवर्धन सिंह बुन्देला द्वारा स्वच्छता के संबंध में निरीक्षण किया गया। मैंने सात दिवस प्रशिक्षण प्राप्त किया और सामुदायिक जुड़ाव का चयन करके उसके अंतर्गत स्वच्छता का निरीक्षण किया। और मैंने अपने कार्य से संबंधित सभी नियमों का पालन किया है और मैंने ईश्वर को साक्षी मानकर यह कार्य पूर्ण किया और मैं स्वच्छता के पूर्ण निरीक्षण में सफल हुआ हूँ।

दिनांक 15.3.23

शपथकर्ता हस्ताक्षर

केन्द्र नागदा

घोषणा पत्र

मैं यह घोषणा करता हूँ कि यह सामुदायिक जुड़ाव रिपोर्ट मेरे द्वारा किए गए मूल कार्य पर आधारित है, जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति उपरांत किया गया है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि यह प्रस्तुत रिपोर्ट वर्तमान में प्रस्तुत नहीं की गई है।

Anuj Bundela

Anuj

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में किए गए सामुदायिक जुड़ाव कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है। यह शासकीय महाविद्यालय में मेरे अनुमोदन के पश्चात प्रस्तुत की गयी है।

दिनांक

हस्ताक्षर

स्थान - नागदा

निर्देशक
डॉ. आशाराम चौहान

P. No:

आभार पत्र

मैं अनुज बुन्देला नम्र निवेदन के साथ महाविद्यालय के समस्त स्टाफ शिक्षकों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे मेरे प्रोजेक्ट रिपोर्ट को पूरा करने में मेरी हर सम्भव सहायता की।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.वी. रेड्डी सर का आभार व्यक्त करता हूँ जिनके मार्गदर्शन से मैं यह कार्य पूर्ण कर पाया।

मैं अपने शिक्षक निर्देशक प्रो पूजा गर्ग मेम का भी आभार करता हूँ।

मैं अपने सहयोगी का भी आभार करता हूँ।

मैं अन्य सभी शिक्षक व सहयोगी का आभार करता हूँ।

धन्यवाद

दिनांक
12-03-23

अनुज बुन्देला

Date: / / Page no:

अनुक्रमणिका

विवरण

I कार्य शैक्षिक एवं क्षेत्र

II घोषणा पत्र

III विवरण पत्र

IV निष्कर्ष एवं सारांश

अध्याय प्रथम

C-1

1) सामुदायिक जुड़ाव
2) कार्य का विवरण
3) संबंधित कार्यस्थल
4) उद्देश्य एवं प्रासंगिकता

C-2

1) कार्य शैक्षिक एवं क्षेत्र
2) योजना का विवरण
3) उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि
4) लक्षित प्रतिफल
5) प्राप्त प्रतिफल
6) निष्कर्ष एवं सारांश
7) ज्ञान एवं क्षमता में अभिवृद्धि
8) अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष की उपयोगिता

Date:
P. No:

सामुदायिक जुड़ाव / सेवा कार्य का क्षेत्र :-

सहपाठियों एवं मेरे महाविद्यालय के प्रबंधन के अधिकारियों के सानिध्य में नागदा स्थित ग्राम नायन में स्वच्छता से संबंधित अध्ययन किया गया एवं ग्राम वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कराया गया। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं साफ - सफाई से संबंधित शिक्षा के अवसरों (डिग्री एवं डिप्लोमा) के बारे में ग्राम नायन में निवासरथ छात्रों को अवगत कराया गया इसके संबंध में ग्रामवासियों को जानकारी दी।

कार्य का विवरण -

ग्राम के अन्तर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में आने वाली छोटी - छोटी समस्याओं जैसे रोजमर्रा के कचरे इत्यादि को कैसे व्यवस्थित करना है। यह ग्रामीणों को समझाया गया। सूखा कचरा और गीला कचरा अलग - अलग डस्टबिन में डालने के लिए ग्रामवासियों को प्रेरित किया गया। ग्रामीणों को रोज के कचरों को कैसे व्यवस्थित करना है यह बताया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि जैविक कचरा जिसमें ऐसा कचरा जो कि आसानी से खाद बन सकता है एवं जिसकी बदबू से आस - पास के ग्रामवासियों को परेशानी न हो ऐसे कचरे को ग्राम के तीन - चार स्थानों पर उसे एकत्रित रखा जा सकता है इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की एक मुख्य समस्या पानी की समस्या

Date: / / Page no:

होती है ऐसी स्थिति में हर गतमीण घरों में जल निकासी की सही व्यवस्था होनी जरूरी है। न तो घर में और न ही गतम में किसी जगह पर गंदा पानी एकत्रित नहीं होना चाहिए। जिसमे डेंगु मलेरिया इत्यादि बीमारियों से बचा जा सकता है।

संबंधित कार्यस्थल -

संबंधित कार्यस्थल में स्वच्छता से संबंधित कई गतिविधियाँ की जा रही है। जैसे कि साप्ताहिक स्वच्छता, जैविक का उपयोग वर्मिंग कम्पोस्ट को बढ़ाता इत्यादि योजनाएँ शुरू की जा रही है। गतम पंचायत द्वारा समय - समय पर जागरूकता अभियान शुरू किए जा रहे है विद्यालय विद्यार्थियों को स्वच्छता के बारे में अवगत करना उनसे समय - समय पर स्वच्छता के कार्यों में सम्मिलित करना और विद्यालयों में डस्टबिन का उपयोग एवं कचरा डालने की जगह का पुर्णानिर्धारण वहा मच्छर पैदा न हो सके।

उद्देश्य एवं प्रासंगिता -

गतम को स्वच्छता की ओर ध्यान देते हुए भविष्य में जगह-जगह पर कलर कोड डस्टबिन (गीला-हरा) डस्टबिन के उपयोग पर कचरे के लिए गतम के सदस्यों से चर्चा की गई जो कि काफी उपयोगी है। अन्य बड़े शहरों की तुलना में सुविधाओं के अभाव को ध्यान में रखते हुए छोटे स्तर पर इस पहल को शुरू करना जिसका भविष्य में कचरे के

Date: / / Page no.

निपटाने एवं कचरे को संग्रहित करने के लिए व्यावहारिक सिद्ध होगा। जैविक अपशिष्ट का उपयोग करके खाद निर्माण एवं ग्रामीणो को इसके उपयोग को बढ़ावा देता है, बड़े पैमाने पर खाद को उत्पादन करके इस खाद को अन्य शहरो एवं ग्रामीण क्षेत्रो मे इसे भेजना।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का उद्देश्य। दिनांक 02 अक्टूबर 2019 तक स्वच्छ एवं खुले मे शौच मुक्त (ओडीएफ) भारत की प्राप्ति करना है। ग्रामीण क्षेत्रो मे सम्पूर्ण स्वच्छता लाने के लिए वैज्ञानिक ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन पर बल देते हुए सामुदायिक प्रबंधित स्वच्छता प्रणालियों का आवश्यकतानुसार विकास करना चाहिए।

स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य खुले मे शौच को खत्म करना या कम करना। खुले मे शौच हर साल हजारो बच्चो की मौत का एक प्रमुख कारण है। शौचालय निर्माण ही नहीं, स्वच्छ भारत मिशन भी शौचालय के उपयोग की निगरानी के लिए एक जवाबदेह तंत्र स्थापित करने की पहल करेगा। जागरूकता सृजन और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ावा मिला। स्वच्छ भारत के मिशन के तहत सफाई के प्रति लोगो मे जागरूकता फैली।

Date: / / Page no:

इस के साथ पर्यावरण को भी स्वच्छ रखे। सूती कपड़े का या कागज से बना थैला इस्तेमाल करना चाहिए तथा पॉलीथिन का बहिष्कार करना चाहिए। रोजाना फर्श साफ करने के बाद पोछे का पानी (फिनाईल रहित) गमलो व पौधो मे डाले। दाल सब्जी, चावल धोने के बाद इकट्ठा पानी गमलो व क्यारियों मे डाले।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि -

देश में सार्वभौमिक स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करने के प्रयासो मे तेजी लाने के ~~लिए~~ उद्देश्य से सरकार द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई थी। गौरतलब है कि इस मिशन को दो अलग-अलग मंत्रालयो ग्रामीण क्षेत्रो के लिए पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय और शहरी क्षेत्रों के लिए आवास एवं शहरी मामलो के मंत्रालय द्वारा निष्पादित किया जा रहा है।

खुले मे शौच की समस्या, जिसका स्वच्छ भारत अभियान का प्राथमिक उद्देश्य है सिर्फ ग्रामीण भारत तक ही नही है। जहाँ एक और सम्पूर्ण स्वच्छता का कार्यान्वयन ग्रामीण भारत मे एक बड़ी चुनौती है वही शहरी स्वच्छता के मोर्चे पर कुछ अलग गम्भीर चुनौतिया मौजूद है जिनसे अलग दृष्टिकोण से निपटने की आवश्यकता है।

Date: / / Page no:

कार्यशीर्षक एवं क्षेत्र -

ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ साथ उनको यह बताया गया कि स्वच्छता सभी का कार्य है चाहे व युवा हो, वृद्ध हो या बच्चा हो सबको अपने - अपने स्तर पर अपने आस - पास के स्थान को स्वच्छ रखना उनकी स्वयं की जिम्मेदारी है। स्वच्छता का अर्थ है सफाई से रहने की आदत। सफाई से रहने से जहाँ शरीर स्वस्थ रहता है वही स्वच्छता तन और मन दोनों की खुशी के लिए आवश्यक है।

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिए बहुत जरूरी है। अपने घर पालतू जानवर, अपने आस - पास पर्यावरण तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सबकी सफाई करते है। क्योंकि ये आपके अच्छे चरित्र को दिखाता है।

योजना का वितरण -

किसी प्रकार गाँव को साफ रखे इसकी जानकारी हमारे द्वारा गाववासियों को दी गई। जैसे नियमित रूप से अपने गाँव की सफाई करे। नालियां साफ रखे। सड़को पर न थूके। खुले मे शौच न करे। बल्कि शौचालय का उपयोग करे। मानव मल तथा पशुमल का सुरक्षित निपटारा करे। उन्हें यह समझाया गया कि अपने आस - पास के वातावरण को किस प्रकार स्वच्छ रखे।

Date: / / Page no.

लक्षित प्रतिफल -

प्रबंध के तहत ठोस एवं तरल अपशिष्ट खाद के गढ्ढे, बुनियादी ढांचो जैसे कि स्थिरीकरण तालाब, सोखते वाले गढ्ढे अपशिष्ट का भी निर्माण किया जाएगा। शोधन संयंत्र आदि मिशन के इस चरण में स्वच्छ भारत एवं सामुदायिक शौचालयों के निर्माण के माध्यम से रोजगार सृजन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन प्रदान करना जारी रहेगा। यह ग्रामीण भारत को ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेगा।

प्राप्त प्रतिफल -

शौचालयो की उपलब्धता के कारण 'स्वच्छ भारत अभियान' देश में बालिका शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। स्वच्छता के 'राज्य विषय' होने के बावजूद केन्द्र सरकार द्वारा तैयार व संचालित इस कार्यक्रम से संघीय ढांचा सशक्त हो रहा है।
इस अभियान से सिर पर मैला ढोने की प्रथा के उन्मूलन का वृहद प्रयास मील का पत्थर साबित हो रहा है।
12 करोड़ शौचालय निर्माण का लक्ष्य, विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार का बड़ा अवसर साबित हुआ है। सैनिटरी पैड का व्यापार भी सशक्त हो सकता है।

Date: / / Page no:

निष्कर्ष एवं सारांश -

ग्रामीण इलाको मे स्वच्छता से यह निष्कर्ष सामने आया है कि स्वच्छता से वातावरण स्वच्छ रहेगा। ग्रामवासी अत्यधिक बीमार नहीं होंगे। स्वच्छता रखने से गाँव में कीटाणु नहीं पैदा होंगे। गाँवो की रोज सफाई करने से वहाँ बीमारी का खतरा कम होगा। कचरे को इधर-उधर फेंक कर न इसे इकट्ठा करके उसका उपयोग किये जाने से कचरा भी नहीं फैलेगा और इससे खाद भी बनेगी और लोगो को रोजगार भी प्राप्त होगा। शौचालय उपयोग को बढ़ावा देना और सार्वजनिक जागरूकता को शुरू करना। अगर गाँवो मे असूचित बीमारियो पर स्वच्छता सुविधाओ की व्यवस्था हो जाए तो ऐसी बीमारीयो पर काबू पाया जा सकता है।

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष की उपयोगिता -

स्वच्छता एक क्रिया है जिसमे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सफाई बेहद जरूरी है। अपने आस-पास के क्षेत्रो और पर्यावरण की सफाई और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। हमे अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता पालतू जानवरो की स्वच्छता आदि

Date: / / Page no.

करनी चाहिए। हमे पेड़ो को नही काटना चाहिए और पेड़ो को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़ लगाना चाहिए। ये कोई बहि कठिन कार्य नही है लेकिन हमे इसे शांतिपूर्ण तरीके से करना चाहिए। ये हमे मानसिक सामाजिक, शारीरिक और बौधिक रूप से स्वच्छ रखता है। सभी के साथ मिलकर उठाया गया कदम एक बड़े कदम के रूप मे परिवर्तित हो सकता है। स जब एक छोटा बच्चा सफलतापूर्वक चलना, बोलना, दौड़ना सीख सकता है और यदि अभिभावकों द्वारा उसे बढ़ावा दिया जाए तो वह बहुत आसानी से स्वच्छता संबधी आदतो को बचपन मे ग्रहण कराया जा सकता है। छोटे बच्चे आदते जल्दी सीख लेते है। इस लिए उन्हे स्वच्छता का पालन करने के लिए बचपन से प्रेरित करे।